पटना ● शुक्रवार , 25 अप्रैल 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 6 , अंकः107 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

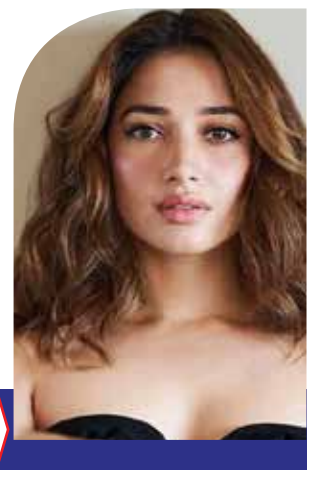

खेलो इंडिया यूथ गेम्स - 2025 के ... 3 www. bordernewsmirror.com नो एंट्री के सीक्वल में बिपासा... 7

सिंधु का पानी रोकना युद्ध का ऐलान माना जाएगा

● बोला पाकिस्तान, भारत के खिलाफ किए कई बड़े ऐलान

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान में तनाव चरम पर पहुंचता दिख रहा है। भारत की जवाबी कार्रवाई के बाद अब पाकिस्तान ने भी गीदड़भभकी देने की कोशिश की है। इस्लामाबाद में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की बैठक के बाद पाकिस्तान ने कई बड़े फैसलों का ऐलान किया है। इसमें भारत के साथ व्यापार पर रोक, वाघा बार्डर को बंद करना, भारतीय विमानों के लिए पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र के इस्तेमाल पर रोक का फैसला

किया गया है। पाकिस्तान ने कहा है कि वह वाघा सीमा चौकी को तत्काल प्रभाव से बंद करेगा। इस मार्ग से भारत से सीमा पार सभी पारगमन, बिना किसी अपवाद के निलंबित रहेंगे। जो लोग वैध समर्थन के साथ सीमा पार कर चुके हैं, वे तुरंत लेकिन 30 अप्रैल 2025 से बाद में नहीं, वापस लौट सकते हैं। पाकिस्तान ने भारतीय नागरिकों को जारी किए गए सार्क वीजा छूट योजना के तहत सभी वीजा निलंबित कर दिए हैं और सिख धार्मिक तीर्थयात्रियों को छोड़कर उन्हें तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है।

पहलगाम हमले के बाद अमृतसर में एनआईए की रेड

● 5 होटलों पर कार्रवाई, पाकिस्तान से संबंध होने की खबर, डॉक्यूमेंट जब्त

अमृतसर (एजेंसी)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद एनआईए ने अमृतसर में बड़ी कार्रवाई की है। एनआईए की टीम ने सुबह 5 बजे अमृतसर के क्वींस रोड पर स्थित पांच होटलों में छापेमारी की। छापेमारी में होटल योनिट, होटल ग्रैंड स्टार, होटल यूनिक, होटल रॉयल स्टार और होटल प्रीमियर को निशाना बनाया गया। एनआईए की टीम ने इन

सभी होटलों के रिकॉर्ड की जांच की और उन्हें जब्त कर लिया। कार्रवाई के दौरान पंजाब पुलिस की टीम भी मौके पर मौजूद रही। पुलिस ने बाहर से सुरक्षा व्यवस्था संभाली, जबकि एनआईए ने अंदर जाकर छापेमारी की। पंजाब पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि उन्हें सिर्फ सहयोग के लिए बुलाया गया था। सूत्रों के अनुसार, इन होटलों के पाकिस्तान से संबंध होने की जानकारी मिली थी। अमृतसर बॉर्डर एरिया होने के कारण यहां से पाकिस्तान में नशे की तस्करी की घटनाएं आम हैं। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद इस इलाके में अलर्ट जारी किया गया है। एनआईए ने मीडिया से दूरी बनाए रखी और जब्त किए गए दस्तावेजों के बारे में कोई जानकारी साझा नहीं की है।

पहलगाम में मारे गए आईबी अफसर का अंतिम संस्कार

● बंगाल के झालदा में नम आंखों से विदाई, तिरंगे में लिपटा शव

सासाराम (एजेंसी)। पहलगाम में आतंकी हमले में मारे गए बिहार के मनीष रंजन का पार्थिव शरीर गुरुवार को पश्चिम बंगाल के झालदा लाया गया। अंतिम यात्रा में शव को तिरंगे से लिपटा रहा। सैकड़ों की भीड़ ने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी। लोगों ने भारत माता जय के नारे भी लगाए। मनीष बिहार के सासाराम के रहने वाले थे। पिछले 2 सालों से आईबी के हैदराबाद ऑफिस में सेक्शन ऑफीसर के पद पर पोस्टेड थे। झालदा में ही मनीष के पिता मंगलेश मिश्रा हाई

स्कूल के प्रधानाध्यापक थे। कुछ साल पहले रिटायर हुए हैं। अब यहीं उनका परिवार रहता है। परिवार का कहना है कि उनकी पहली नौकरी एक्साइज इंस्पेक्टर के तौर पर थी, बाद में आईबी अफसर बने। हालांकि, सरकार की लिस्ट में उन्हें एक्साइज इंस्पेक्टर बताया गया है। मनीष का पार्थिव शरीर गुरुवार सुबह 9 बजे रांची एयरपोर्ट पहुंचा। एयरपोर्ट पर पूर्व सीएम बाबू लाल मरांडी ने मनीष को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद पार्थिव शरीर सीआरपीएफ कैंप लाया गया, जहां जवानों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। उसके बाद परिवार एम्बुलेंस से पार्थिव शरीर को लेकर पश्चिम बंगाल स्थित झालदा के लिए निकल गए। परिजनों ने बताया कि मनीष की पत्नी जया बेसुध हैं। वो स्ट्रेचर पर हैं।

भगवान ने बचा लिया...

आतंकियों की गोली से बाल-बाल बचे 40 टूरिस्ट

● पहलगाम के रास्ते में हुई लैंडस्लाइडिंग से लेट हो गया ग्रुप ● साउथ इंडिया के एक दंपति ने बताया वहां का पूरा वाकया

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के पहलगाम के आतंकी हमले में मरने वालों की तादाद ज्यादा होती, अगर 22 अप्रैल को सैकड़ों टूरिस्ट प्लान के मुताबिक बैसरन पहुंच गए होते। आंध्र प्रदेश के 40 टूरिस्टों को लैंड स्लाइडिंग के कारण प्लानिंग बदलनी पड़ी। बाद में उन्हें खबर मिली कि पहलगाम के आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई है। अब उनका मानना है कि भगवान ने उनकी जान बचाने के लिए कश्मीर के नेशनल हाईवे पर लैंड स्लाइडिंग को जरिया बना दिया। रिपोर्ट के अनुसार आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम के वी एस आनंद और उनकी पत्नी

रत्नम भी टूरिस्ट ग्रुप में शामिल थे, जिन्हें पहलगाम जाने का मौका नहीं मिला। आनंद ने बताया कि अगर सब कुछ प्लानिंग के अनुसार होता, तो हम हमले के समय पहलगाम में होते। यह किसी चमत्कार से कम नहीं है। भगवान ने हमारे लिए कुछ और ही योजना बनाई थी। उन्होंने बताया कि 19 अप्रैल को हैदराबाद, तमिलनाडु और कर्नाटक के कुल 40 लोग दिल्ली से सात दिनों के लिए नॉर्थ इंडिया की यात्रा पर निकले थे। कटरा में वैष्णो देवी के दर्शन के बाद ग्रुप को 20 अप्रैल को श्रीनगर और 22 अप्रैल को पहलगाम पहुंचना था। लैंडस्लाइडिंग हुई राजमार्ग बंद हो गया।

हम हर एक आतंकी और उनके आका को देंगे सजा

● पीएम मोदी बोले-आतंकी कहीं भी हों, हम उन्हें मिट्टी में मिला देंगे ● पीएम मोदी ने बिहार से आतंकियों को सजा देने का किया ऐलान ● पहलगाम हमले में मारे गए लोगों को दी श्रद्धांजलि, जमकर बरसे

मधुबनी (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के मधुबनी में पहलगाम आतंकी हमले पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने आतंकियों को कड़ी सजा देने का ऐलान कर दिया। उन्होंने कहा कि आतंकियों और साजिशकर्ताओं को उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी। उन्होंने मात्र 70 शब्दों में ही पूरी दुनिया को संदेश दे दिया कि आतंकी कहीं भी हों, मिट्टी में मिला देंगे। ये 70 शब्द पाकिस्तान के जेहन में गूंज रहे होंगे।

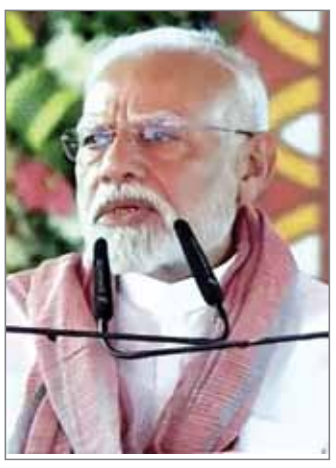

दरअसल, पीएम मोदी ने बिहार की धरती से पूरी दुनिया को आतंकियों के खिलाफ कड़ा संदेश दिया। उन्होंने कहा कि बिहार की धरती से ऐलान करता हूं कि हम आतंकियों को चिन्हित करेंगे, खोजेंगे और हर एक आतंकी और उनके आका को सजा देंगे। उन्होंने भारत के साथ सहानुभूति दिखाने वाले देशों को धन्यवाद दिया। उन्होंने यह भी कहा कि हमले में शामिल आतंकियों को ऐसी सजा मिलेगी जिसकी उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की होगी। पीएम मोदी ने अपने भाषण की शुरुआत में हमले में मारे गए लोगों को याद किया। उन्होंने सभी के साथ दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि देश के दुश्मनों ने भारत की आत्मा पर हमला करने की हिमाकत की है। पीएम मोदी ने कहा कि अब आतंकियों की बची हुई जमीन को भी मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि 140 करोड़ भारतीयों की शक्ति आतंकियों के आकाओं की कमर तोड़ देगी।

पीएम मोदी बोले-

ऐसी सजा देंगे कि सोचा नहीं होगा- पीएम मोदी ने कहा कि मैं बहुत स्पष्ट कहूंगा कि जिन्होंने यह हमला किया है, उन आतंकियों और इसकी साजिश रचने वालों को उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी। इन लोगों को सजा मिलकर रहेगी। अब आतंकियों की बची-खुची जमीन को भी मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है। पीएम मोदी ने कहा कि इन लोगों ने सोचा भी नहीं होगा। हम लोग ऐसी सजा देंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि शांति और सुरक्षा विकास की जरूरी शर्त है। प्रधानमंत्री ने बुधवार को ही सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की मीटिंग बुलाई थी। इस बैठक के बाद सिंधु जल समझौते को रोकने, दूतावास से स्टाफ कम करने और पाकिस्तानियों के लिए वीजा रद्द करने का फैसला लिया गया था। कयास लगाए जा रहे हैं कि भारत की ओर से पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य ताकत का भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

मृतक की पत्नी केंद्रीय मंत्री पर भड़कीं

सीआर पाटिल सिर झुकाए सुनते रहे

सूरत (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को आतंकवादी हमले में तीन गुजरातियों की जान चली गई। इनमें सूरत के शैलेशभाई कलथिया भी थे। गुरुवार को उनका अंतिम संस्कार किया गया। हजारों की भीड़ के बीच केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल उनके परिवार को सांत्वना देने

पहुंचे थे। इस दौरान उन्हें मृतक की पत्नी शीतलबेन का गुस्सा झेलना पड़ा। शीतलबेन ने आतंकी हमले के लिए सरकार और सुरक्षा एंजेसियों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से कहा, पहलगाम में कोई सेना, कोई पुलिस नहीं थी। मैं मदद के लिए चिल्लाती रही। इतने बड़ा पर्यटन स्थल होने के बावजूद कोई मेडिकल कैंप नहीं था। आप लोग जनता के टैक्स से हेलीकॉप्टर पर घूमते हैं।

सुप्रीम कोर्ट में गोधरा कांड पर सुनवाई 6-7 मई को

● गुजरात सरकार ने हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी है; दोषियों को फांसी की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में 6 और 7 मई को 2002 के गोधरा कांड मामले में गुजरात सरकार और दोषियों की याचिकाओं पर सुनवाई होगी। जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस राजेश बिंदल की बेंच ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। गुजरात सरकार और दोषियों ने सुप्रीम कोर्ट में हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती दी है।

राज्य सरकार ने जहां 11 दोषियों की फांसी की सजा को उम्रकैद में बदलने के खिलाफ अपील की है, वहीं कई दोषियों ने मामले में उनकी दोषसिद्धि को बरकरार रखने के फैसले को चुनौती दी है। 27 फरवरी 2002 में गुजरात के गोधरा स्टेशन पर साबरमती एक्सप्रेस के एस-6 डिब्बे में आग लगा दी गई थी। ट्रेन में अयोध्या से लौट रहे 59 तीर्थयात्रियों की मौत हो गई थी। इस हादसे के बाद पूरे गुजरात में दंगे भड़क उठे थे। हाई कोर्ट ने 11 दोषियों की सजा फांसी से उम्रकैद में बदली थी गोधरा कांड के बाद चले मुकदमों में करीब 9 साल बाद 31 लोगों को दोषी ठहराया गया था। 2011 में कोर्ट ने 11 दोषियों को फांसी और 20 को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। बाद में अक्टूबर 2017 में गुजरात हाईकोर्ट ने 11 दोषियों की फांसी की सजा को भी उम्रकैद में बदल दिया था।

गुजरात हाई कोर्ट इस फैसले को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में कई अपीलें दायर की गई हैं। गुजरात सरकार ने फरवरी 2023 में कहा था कि वह उन 11 दोषियों के लिए मृत्युदंड की मांग करेगी, जिनकी सजा को हाई कोर्ट ने उम्रकैद में बदल दिया था।

जम्मू-कश्मीर में 24 घंटे में तीसरा एनकाउंटर, एक जवान शहीद

श्रीनगर (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच पिछले 24 घंटे में लगातार तीसरा एनकाउंटर चल रहा है। सुरक्षाबलों ने उधमपुर के डूडू बसंतगढ़ में कुछ आतंकियों को घेर लिया है। आतंकवादियों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। मुठभेड़ में सेना का एक हवलदार शहीद हो गया। व्हाइट नाइट कॉर्प्स और एलजी मनोज सिन्हा ने एक्स पर रैंक 6 सीआरपीएफ के शहीद हवलदार झंटू अली शेख को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने लिखा - मुठभेड़ में फायरिंग के दौरान हमारे एक बहादुर को गंभीर चोटें आईं और बाद में इलाज के समय उसकी मौत हो गई। एनकाउंटर ऑपरेशन अभी भी जारी है। उधर, जम्मू-कश्मीर में बांदीपुरा पुलिस ने लश्कर-ए-तैयबा के चार ओवर ग्राउंड वर्कर को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने बताया कि उन्हें जानकारी मिली थी कि आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े कुछ पुलिस और गैर स्थानीय लोगों पर हमला करने का मौका तलाश रहे थे। बांदीपोरा पुलिस ने तलाशी अभियान शुरू किया और जिले में विभिन्न स्थानों पर घेराबंदी की थी। नाका चेकिंग के दौरान मोहम्मद रफीक खांडे और मुख्तार अहमद डार को पकड़ा। तलाशी के दौरान उनके पास से अवैध हथियार गोला-बारूद बरामद किया गया।

पाकिस्तानी रेंजर्स ने पंजाब बॉर्डर पर बीएसएफ का जवान पकड़ा

● एके-47 भी छीनी, आंखों में पट्टी बांधकर फोटो जारी की, फ्लैग मीटिंग से भी इनकार

अमृतसर (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया है। इसी बीच पाकिस्तानी रेंजर्स ने पंजाब के इंडो-पाक बॉर्डर पर बीएसएफ के जवान को हिरासत में लिया है। जिस दौरान उसके हाथ से एके-47 भी छीन ली गई। हिरासत में लेने के बाद वे जवान को अपने साथ ले गए। इसके बाद पाकिस्तानी मीडिया में जवान की 2 फोटो जारी की गई। एक फोटो में आंख पर पट्टी बांधी गई है तो दूसरी में बीएसएफ जवान एके-47 और पानी की बोतल के साथ खड़ा है। पकड़ा गया बीएसएफ जवान पीके सिंह मूल रूप से कोलकाता के जिला हुगली का रहने वाला है। अभी तक उसे छोड़ा नहीं गया है। बीएसएफ के अधिकारी लगातार पाक रेंजर्स के संपर्कमें हैं। हालांकि, सूत्रों से पता चला है कि पाक रेंजर्स फिरोजपुर के हुसैनीवाला में फ्लैग मीटिंग के लिए नहीं आ रहे हैं। जिसके चलते बात सिरे नहीं चढ़ पाई है। उधर, अभी तक बीएसएफ की तरफ से कोई बयान भी नहीं आया है। दरअसल श्रीनगर से बीएसएफ की बटालियन-24 ममदोट में आई है। बुधवार की सुबह किसान अपनी कंबाइन मशीन लेकर खेत में गेहूं काटने गए थे। यह खेत फेंसिंग पर लगे गेट नंबर-208/1 के पास था। किसानों की निगरानी के लिए दो बीएसएफ जवान भी उनके साथ थे।

अरब सागर में नौसेना ने आईएनएस सूरत से दागी मिसाइल

● पाकिस्तान से तनातनी के बीच भारत ने किया मिसाइल टेस्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बीच भारत ने मिसाइल परीक्षण किया है। भारतीय नौसेना के डिस्ट्रॉयर आईएनएस सूरत ने अरब सागर में समुद्र की सतह के पास टारगेट को निशाना बनाया। भारतीय नौसेना ने मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल दागी। भारतीय नौसेना के नवीनतम स्वदेशी मिसाइल विध्वंसक आईएनएस सूरत ने समुद्र में लक्ष्य को सफलतापूर्वक टारगेट किया। भारतीय नौसेना ने एक्स पोस्ट में इस बात की जानकारी देते हुए कहा कि ये हमारी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने में एक और मील का पत्थर साबित हुआ। आत्मनिर्भर भारत के लिए गर्व का क्षण है। पाकिस्तान की ओर से मिसाइल टेस्ट की जल्दबाजी के बीच भारतीय ने ये कार्रवाई की है। ऐसी खबरें थी कि पाकिस्तान कोई मिसाइल परीक्षण कर सकता है। इससे ठीक पहले भारत ने सख्त मैसेज देने की कोशिश की है।

बार काउंसिल सदस्य ही बनेंगे वक्फ बोर्ड मेंबर

● एससी बोला-मुस्लिम होना अनिवार्य, 2 शर्तें लागू कीं

मणिपुर हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट ने पलटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को राज्य वक्फ बोर्ड में नियुक्ति को लेकर अहम फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा- राज्य बार काउंसिल का एक्टिव मेंबर ही राज्य वक्फ बोर्ड का सदस्य बन सकता है। जस्टिस एम.एम.सुंदरेश और जस्टिस राजेश बिंदल की बेंच ने फैसला सुनाते हुए कहा कि वक्फ बोर्ड का सदस्य बनने के लिए 2 अनिवार्य शर्तें पूरी करनी होंगी। पहली- व्यक्ति मुस्लिम समुदाय से हो। दूसरी- संसद, राज्य विधानसभा या बार काउंसिल के सदस्य के रूप में सक्रिय पद हो। सुप्रीम कोर्ट मणिपुर हाईकोर्ट के उस फैसले को गलत बताया, जिसमें हाईकोर्ट ने कहा था कि कानून में स्पष्ट नहीं है कि बार काउंसिल से बाहर होने पर वक्फ बोर्ड की सदस्यता भी समाप्त हो जाएगी। राज्य वक्फ बोर्ड का यह मामला मणिपुर के मोहम्मद फिरोज अहमद खालिद से जुड़ा था, जिन्हें फरवरी 2023 में मणिपुर वक्फ बोर्ड का सदस्य नियुक्त किया गया था। वह दिसंबर 2022 के चुनाव में बार काउंसिल का सदस्य बनने के बाद वक्फ बोर्ड में शामिल हुए थे।

उन्होंने उस व्यक्ति की जगह ली थी, जो बार काउंसिल का चुनाव हार गया था। हाईकोर्ट की सिंगल बेंच ने खालिद की नियुक्ति को वैध ठहराया था, लेकिन डिवीजन बेंच ने इस फैसले को पलटते हुए कहा था कि कानून में यह स्पष्ट नहीं है।

करोड़ों रुपये की मनी लॉन्ड्रिंग में फंसे संजीव हंस और गुलाब पर स्पेशल कोर्ट ने लिया संज्ञान

30 अप्रैल को सुनवाई

पटना, एजेंसी। पीएमएलए की विशेष अदालत ने बुधवार को करोड़ो रुपए के धनशोधन मामले में आरोपी निलंबित आईएएस संजीव हंस और पूर्व विधायक गुलाब यादव समेत 33 आरोपियों और कंपनियों पर धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत संज्ञान लिया है। इसमें दस कंपनियां भी शामिल हैं। अदालत द्वारा ईडी की चार्जशीट पर लिए गए संज्ञान के बाद अब जल्द ही इस मामले की सुनवाई शुरू होगी। इस मामले की अगली सुनवाई 30 अप्रैल को विशेष अदालत में होगी। करोड़ों रुपए के धनशोधन मामले में ईडी ने आईएएस संजीव हंस और पूर्व विधायक गुलाब यादव समेत 23 आरोपी और दस कंपनियों के खिलाफ विशेष अदालत में चार्जशीट दायर किया था। दोनों मामले में ईडी ने संजीव हंस, पूर्व विधायक गुलाब यादव, विपुल बंसल, प्रवीण कुमार, उत्तम कुमार डागा, शदाब खान, प्रदीप कुमार, कमलाकांत गुप्ता समेत समेत अन्य आरोपियों के खिलाफ धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत संज्ञान लिया है। इसके अलावे विशेष अदालत ने इस मामले में शामिल दस कंपनियों पर संज्ञान लिया है।

ईडी ने दो मामले दर्ज किए हैं

करोड़ों रुपए के धनशोधन मामले में ईडी ने दो अलग-अलग मामले दर्ज किए है। ईडी ने अपने जांच में पाया था कि आरोपी आईएएस संजीव हंस जब उर्जा विभाग के प्रधान सचिव और मेसर्स बीएसपीएचसीएल के सीएमडी थे, तभी अपने पद का जमकर दुरुपयोग किया। आरोप है कि इस दौरान ठेकेदार और कंपनी के माध्यम से करोड़ो रुपए आय से अधिक अर्जित की गई। वर्ष 2022 -2023 में 997 करोड़ और 2850 करोड़ का राज्य में उपभोक्ताओं के लिए 33 लाख स्मार्ट मीटर धूत इंफ्रास्टक्चर कंपनी को ठेका दिया था। इसके अलावा उर्जा विभाग से कई कंपनियों को करोड़ो रुपए का काम दिया गया था। जिसके एवज में कंपनियों से निजी लाभ लिया गया।

हंस की पत्नी की कंपनी के नाम सीएनजी स्टेशन

ईडी की जांच में यह भी बात आयी कि आईएएस संजीव हंस की पत्नी मोना हंस एक कंपनी की मालिक हैं। इसी कंपनी के नाम पर सीएनजी स्टेशन चलता है। इस कंपनी के खाता में पूर्व विधायक गुलाब यादव ने लाखों रुपए जमा किए थे। संजीव हंस की पत्नी और गुलाब यादव संयुक्त संयुक्त रूप से इस कंपनी का संचालन करते हैं। ईडी ने दिल्ली, पुणा, कोलकाता, पटना समेत कई ठिकानो पर छापामारी की थी। जिसमें करोड़ रुपए की चल-अलच संपत्ति के दस्तावेज मिले थे। ईडी धनशोधन एक्ट के तहत मुकदमा संख्या इसीआइ 04 / 2024 दर्ज कर जांच कर रही है। वहीं, अदालत में यह मामला पीएमएलए वाद संख्या 10/2024 और विशेष वाद संख्या 5 /2025 के रूप में दर्ज है।

नीतीश के मंत्री पर फूटा वक्फ कानून का गुस्सा, जमा खान के काफिले पर हमला

10 पर नामजद एफआईआर

भभुआ, एजेंसी। बिहार के भभुआ शहर के एकता चौके पास बिहार सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मो. जमा खां के काफिला पर हमला कर गाड़ी का झंडा खींचने वाले दस नामजद सहित कई अज्ञात लोगों के खिलाफ नगर थाना में एफआईआर दर्ज कराई गई है। उक्त मामले में नगर थाना के परिक्ष्यमान पुलिस अवर निरीक्षक प्रदीप कुमार के बयान पर मुकदमा दर्ज किया गया है। दर्ज कराए गए मुकदमा में कहा गया है कि वक्फ संशोधन बिल के विरुद्ध शहर में निकाले गए जुलूस का वह स्कॉट कर रहे थे। दोपहर करीब डेढ़ बजे एकता चौक से जुलूस गुजर रहा था। इसी दौरान अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मो. जमा खां का काफिला गुजर रहा था। जुलूस में शामिल लोगों द्वारा मंत्री मुर्दाबाद का नारा लगाया गया। उनके काफिला को रोकने का प्रयास किया जाने लगा। भीड़ में से एक व्यक्ति द्वारा गाड़ी में लगे झंडा को खींच लिया गया। उक्त बातों की जानकारी वीडियो के माध्यम से मिली।

जुलूस के लाइसेंसधारी दुर्गावती थाना क्षेत्र के छाता गांव निवासी मो. हनीफ खान, मोकरी के परवेज अंसारी, भभुआ वार्ड 10 के जाकिर हुसैन, भभुआ वार्ड नौ के मो. इमामुद्दीन, चैनपुर वार्ड 13 के बिऊर निवासी एसएफ सिद्दीकी, भभुआ वार्ड 24 के मो. साहिल खान, मोहनियां के अधिवक्ता सुरेश प्रसाद, भभुआ वार्ड 22 के मो. एजाज अंसारी, पलका के सैफ अली व मोकरी के इम्तेयाज अंसारी एवं कुछ अज्ञात लोगों द्वारा लाइसेंस शर्तो का उल्लंघन किया गया। आवेदन में लिखा गया है कि सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न किया गया। मंत्री के काफिला पर हमला किया गया, जो संज्ञेय अपराध हैं।

पुलिस अफसर के आवदेन पर नगर थानाध्यक्ष मुकेश कुमार ने दस नामजद सहित अन्य अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस की ओर से कहा गया है कि मामले के आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी। घटना के पीछे साजिश करने वालों को भी नहीं छोड़ा जाएगा

मिट्टी लेने गई 5 बच्चियां डूबीं, 3 की मौत

सीतामढ़ी में पोखर के पास गई थी सभी, गोताखोर ने लाशों को निकाला

सीतामढ़ी, एजेंसी। सीतामढ़ी में बुधवार को तीन लड़कियों की मौत हो गई। दो की जान बचाई गई है। घटना जिले के बाजपट्टी थाना क्षेत्र के पचड़ा निमाही पंचायत के कंचन पुर वार्ड नंबर-11की है। लड़कियां बुधवार को करीब 3.30 बजे गांव के पोखर से मिट्टी लाने के लिए घर से निकली। मिट्टी लाने के लिए दो अन्य लड़कियां भी उसके साथ गई। इसी दौरान गांव निवासी रविंद्र राय की 8 साल की बेटी मृतका नंदिनी कुमारी का पैर फिसल गया। वह गहरे पानी में चली गई। इसी दौरान एक-एक कर एक दूसरे को बचाने के चक्कर में पांच बच्चियां पोखर में डूब गई। दो लड़कियां किसी तरह जान बचाकर बाहर निकल गई। तीन बच्चियों का डूबकर जान चली गई।

गोताखोर के सहयोग से लाश को निकाला

घटना की जानकारी जैसे ही ग्रामीणों को लगी, ग्रामीण मौके पर पहुंचे। स्थानीय गोताखोर के सहयोग से तीनों लाश को बाहर निकाला। ग्रामीण ने पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना पर बाजपट्टी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन कर रही है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सीतामढ़ी सदर अस्पताल भेज दिया है।

घटना के बाद से इलाके में कोहराम मचा हुआ है। एक साथ एक गांव से तीन बच्ची की मौत ने सब को झकझोर कर रख दिया है। मृतकों की पहचान आरती कुमारी (13), पिता उमा राय, नंदिनी कुमारी (8), पिता रविन्द्र राय, सुधा कुमारी (9), पिता मिथुन राय, के रूप में की गई है। दो अन्य जख्मियों में ऋतु और प्रियांशी कुमारी शामिल है। घटना के संबंध थाना की पुलिस ने बताया कि ग्रामीणों के सूचना पर घटनास्थल पहुंच मामले की जांच की गई है।

शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। दारोगा पंकज कुमार ने कहा कि 5 बच्ची मिट्टी लेने के लिए गई थी। जिसमें 3 की मौत हो गई है। एक को बचाने के लिए सभी डूब गई। आगे शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

बहूभोज में विवाद के बाद 5 लाख के जेवर लूटे : सीवान में बदमाशों ने की हवाई फायरिंग

सीवान, एजेंसी। सीवान के जीबी नगर थाना क्षेत्र के कर्णपुरा गांव में बुधवार को बदमाशों ने लूटपाट की। करीब दो दर्जन बदमाशों ने राहुल कुमार साह के घर में घुसकर 5 लाख रुपए के सोने-चांदी के जेवरात लूट लिए। बदमाशों ने आठ राउंड फायरिंग कर पूरे गांव में दहशत फैला दी। घटना के दौरान बदमाशों ने घर के बाहर रखी दो बाइक, टेंट का सामान और कुर्सियां भी तोड़ दीं। बदमाश हथियार लहराते हुए फिल्मी अंदाज में फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही जीबी नगर थाना, गोरियाकोठी थाना, महाराजगंज थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। एसडीपीओ महाराजगंज और एसडीपीओ सदर सीवान भी जांच में जुट गए।

8 महीने में दूसरी बार बैंक मैनेजर के घर चोरी :

मोतिहारी, एजेंसी। मोतिहारी के पकड़ीदयाल थाना क्षेत्र के पंडितपुर गांव में PNB कुशीनगर के ब्रांच मैनेजर नारायण प्रसाद के घर चोरी हुई है। यह आठ महीने में दूसरी बार है जब उनके घर को चोरों ने निशाना बनाया है। नारायण प्रसाद की मां लक्ष्मी देवी गोपालगंज में अपने बड़े बेटे के पास गई थीं। इसी दौरान ग्रामीणों ने फोन कर चोरी की सूचना दी। घर पहुंचने पर सारा सामान बिखरा मिला। डायल 112 पर सूचना देने के बाद पुलिस आई और जांच कर चली गई। लक्ष्मी देवी ने बताया कि इस बार चोर करीब 5 लाख रुपए के गहने और 70 हजार रुपए कैश लेकर गए। पिछली बार चोरी 26 सितंबर 2024 को हुई थी। तब ज्यादा नुकसान नहीं हुआ था, लेकिन पहली चोरी के अपराधियों को पुलिस अभी तक पकड़ नहीं पाई है।

ग्रामीणों में पुलिस की कार्यशैली के खिलाफ नाराजगी : पकड़ीदयाल थानाध्यक्ष राजीव रंजन ने कहा कि मामला दर्ज कर लिया गया है। जांच चल रही है और जल्द ही चोरों को पकड़ लिया जाएगा। हालांकि ग्रामीणों का कहना है कि पुलिस चोरी की घटनाओं पर काबू पाने में नाकाम है।

पहलगाम हमले के बाद ऐक्शन

महावीर मंदिर, बुद्धा स्मृति और इको पार्क, पटना में हर जगह कड़ी सुरक्षा

पटना, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद पटना की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। सार्वजनिक और धार्मिक स्थलों के अलावा पर्यटकों की भीड़ वाले स्थानों पर पुलिस को अलर्ट रहने को कहा गया है। एसएसपी अवकाश कुमार ने सभी जगहों की सुरक्षा व्यवस्था का आकलन करने के निर्देश दिये हैं। एएसपी व डीएसपी रैंक के अधिकारी इन जगहों पर जाकर सुरक्षा व्यवस्था की जांच कर उसकी रिपोर्ट पुलिस कप्तान को देंगे। जहां जरूरत होगी वहां अधिक जवानों की तैनाती होगी। पटना जंक्शन स्थित हनुमान मंदिर, बुद्धा स्मृति पार्क, तख्त श्री हरमंदिर साहिब जी, ईको पार्क समेत अन्य स्थानों की सुरक्षा को लेकर गंभीरता बरती जा रही है।

पुलिस के कमांडो भी तैनात होंगे

पटना पुलिस के कमांडो ट्रेनिंग वाले जवानों को भी महत्वपूर्ण स्थानों पर तैनात किया जाएगा। वहीं, सभी थानेदारों को रात में भी पुलिस को गश्त करते समय संदिग्धों पर नजर रखने के निर्देश दिये गए हैं। लॉज और होटलों में भी जांच की जा रही है। किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधि मिलने पर वरीय अधिकारियों को सूचना देने के लिए कहा गया है।

देर शाम वाहनों की सघन जांच

बुधवार की शाम पटना के सभी थाना इलाकों में वाहनों की सघन जांच की गई। इस दौरान सभी सिटी एसपी, डीएसपी और थानेदार भी राजधानी की सड़कों पर मौजूद थे। आयकर गोलंबर, डाकबंगला चौराहा, जेपी गंगा पथ, नेहरू पथ, एनआईटी मोड़, कंकड़बाग, करबिगहिया जैसे इलाकों में वाहनों की सघन जांच की जा रही थी।

बांका का टॉप 10 अपराधी मो. तसलीम गिरफ्तार: 25 हजार रुपए का था इनाम

दिल्ली से लौटने के दौरान भागलपुर-बांका मेन रोड से पुलिस ने दबोचा

बांका, एजेंसी। बांका पुलिस ने जिले के टॉप 10 अपराधियों में शामिल मो. तसलीम को गिरफ्तार किया है। वह अमरपुर शहर के वार्ड नंबर 5 का निवासी है। उस पर 25 हजार रुपए का इनाम, घोषित था। तसलीम लंबे समय से फरार था। वह मिथुन यादव गिरोह का सदस्य है। उसके खिलाफ अमरपुर थाना में तीन केस दर्ज हैं। इनमें रंगदारी, डकैती और अवैध हथियार रखने के मामले शामिल हैं। गिरफ्तार अपराधी पुलिस मुख्यालय के श्रेणी 4 के कुख्यात अपराधी में शामिल था। इसके अलावा एक वांछित अभियुक्त अभिषेक कुमार को गिरफ्तार किया गया। बांका पुलिस और STF टीम के साथ संयुक्त कार्रवाई की गई। DSP विपिन बिहारी ने इसकी जानकारी दी है।

DSP विपिन बिहारी ने बताया कि तसलीम वर्ष 2020 और 2021 में इस क्षेत्र का कुख्यात अपराधी था। वह पुलिस मुख्यालय की श्रेणी चार की सूची में शामिल है। उसके खिलाफ वर्ष 2020 में एक और 2021 में दो मामले दर्ज हैं। पुलिस को सूचना मिली थी कि वह दिल्ली से अमरपुर आ रहा है। एसपी अनंतनाथ वर्मा के निर्देश-एसटीएफ और पुलिस अधिकारियों की संयुक्त टीम बनाई गई। अमरपुर थानांतर्गत भागलपुर से बांका जाने वाली मुख्य सड़क पर उसे गिरफ्तार किया गया।

आर्म्स एक्ट के तहत दर्ज हुआ था केस

इसके अलावा पुलिस ने सजौर थाना क्षेत्र के रविचक रतनगंज निवासी अभिषेक कुमार को भी पकड़ा है। उसके खिलाफ वर्ष 2024 में आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज हुआ था। एसडीपीओ ने तसलीम की गिरफ्तारी को पुलिस की बड़ी सफलता बताया। छापेमारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बांका विपिन बिहारी, अमरपुर थाना अध्यक्ष पंकज कुमार झा, पुलिस अवर निरीक्षक राहुल कुमार, विक्की कुमार और स्क्वॉड की विशेष टीम शामिल थी।

एक की मौत का बदला 100 आतंकियों से लेना चाहिए: सांसद देवेश चंद ठाकुर

बोले- निहत्थे सैलानियों की हत्या, सुरक्षा एजेंसी की चूक

सीतामढ़ी, एजेंसी। कश्मीर में हुए आतंकी हमले पर सीतामढ़ी के सांसद देवेश चंद ठाकुर ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सरकार से निहत्थे लोगों की हत्या करने वाले आतंकवादियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। सांसद ने कहा कि एक भारतीय की मौत का बदला 100 आतंकियों से लिया जाना चाहिए। उन्होंने इस घटना को अमानवीय बताते हुए कहा कि आतंकियों ने धर्म पूछकर निहत्थे सैलानियों की हत्या की। यह घटना किसी भी तरह से बर्दाश्त करने योग्य नहीं है। खुफिया विभाग पर सवाल उठाते हुए ठाकुर ने कहा कि यह उनकी बड़ी चूक है। आतंकी सरहद पार से आए और इतनी बड़ी वारदात को अंजाम दे गए। उन्होंने इस मामले की पूरी जांच की मांग की है। सांसद ने कहा कि भारतीय शांतिप्रिय लोग हैं। लेकिन आतंकवादियों पर भरोसा नहीं किया जा सकता। उन्होंने सरकार से जल्द से जल्द कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि इस हमले में शामिल सभी आतंकियों को मार गिराया जाए। तभी मृतकों के परिवारों को न्याय मिलेगा।

आतंकवादी को चुन-चुन कर मारे

सांसद ने कहा कि आतंकवादियों ने ऐसी घटना को अंजाम दिया गया है। वैसे आतंकवादियों को चुन-चुन कर मारना चाहिए। उन्होंने कहा कि पूरे देश का खून खौल रहा है। उन्होंने खुफिया विभाग पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि कहीं ना कहीं खुफिया विभाग की भी बड़ी चूक है। वह लोग सरहद पार करके आए हैं और ऐसी घटना को अंजाम दिए। इसलिए इस घटना की पूरी जांच होनी चाहिए। यह लोग भरोसे के नहीं है। इन लोग से अपेक्षा नहीं किया जा सकता कि इस तरीके के घिनौने काम को वह लोग बंद करेंगे। इस लिए सरकार से जल्द से जल्द बदला ले। जो भी आतंकी इसमें संलिप्त हैं उन्हें मार गिराया जाए। तभी समझेंगे कि हमारे देश के लोगों और मृतकों के परिवार का बदला लिया गया है। ऐसी घटना क्यों हुई क्यों निहत्थे लोगों को मारा गया। इसकी पूरी तरीके से सत्यता के साथ जांच होनी चाहिए। आम नागरिकों के साथ सैलानियों के साथ इस तरीके की घटना को अंजाम दिया गया है।

बिहार के 4 जिलों में लू का येलो अलर्ट, गर्मी से राहत 27 से मिलेगी

पटना, एजेंसी। बिहार के चार जिला गुरुवार को लू की चपेट में रहेंगे। वहीं दक्षिण बिहार के साथ ही उत्तर-मध्य भाग के जिलों में भीषण गर्मी जारी रहेगी। 26 अप्रैल को पांच जिलों में मेघगर्जन, वज्रपात और आंधी की चेतावनी है। इसकी गतिविधि में बढ़ोतरी होने से 27 अप्रैल से एक बार फिर गर्मी से राहत मिलने की संभावना है। वहीं बुधवार को पछुआ में नमी नहीं रहने के कारण राज्य के सर्वाधिक अधिकतम तापमान में 0.5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई।

वहीं लोगों को वास्तविक तापमान का एहसास हुआ। 42.3 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे गर्म शहर लगातार दूसरे दिन गया रहा। मौसम विभाग ने गुरुवार को पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, शिवहर और गोपालगंज जिले में लू चलने को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं अगले दो दिनों के दौरान प्रदेश के अधिकतम तापमान में 1 से 3 डिग्री सेल्सियस बढ़ोतरी होने के आसार हैं। न्यूनतम तापमान में कोई विशेष बदलाव नहीं होगा। 26 अप्रैल को किशनगंज, अररिया, पूर्णिया, सुपौल और कटिहार जिलों के कुछ स्थानों पर मेघगर्जन और वज्रपात के साथ तेज हवा चलने को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान हवा की रफ्तार 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे रहने का पूर्वानुमान है।पटना सहित राज्य के 14 जिलों का अधिकतम तापमान 40 डिग्री के पार रहा। इस दौरान मंगलवार के मुकाबले बुधवार को राज्य के सर्वाधिक अधिकतम तापमान में 0.5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई। वहीं प्रदेश का सबसे गर्म शहर 42.3 डिग्री के साथ गया रहा। तो सबसे ठंडा शहर 21.3 डिग्री के साथ सीवान का जीरादेई रहा। इस दौरान राज्य का अधिकतम तापमान 35 से 42.3 और न्यूनतम तापमान 21.3 से 28.5 डिग्री सेल्सियस के बीच रिकॉर्ड किया गया।

न्यायिक अधिकारी के खाना में मिला कीड़ा: औरंगाबाद में केटरिंग एजेंसी पर होगी कार्रवाई

औरंगाबाद, एजेंसी। औरंगाबाद के दानी बिगहा स्थित सर्किट हाउस में एक गंभीर मामला सामने आया है। यहां ठहरे एक न्यायिक पदाधिकारी के भोजन में कीड़ा मिला। इस घटना से सर्किट हाउस में हड़कंप मच गया। न्यायिक पदाधिकारी ने तुरंत वरिष्ठ अधिकारियों और पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही नगर थानाध्यक्ष उपेंद्र कुमार सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने भोजन को जब्त कर थाने ले गए। वर्तमान में सर्किट हाउस में लगभग सात न्यायिक पदाधिकारी ठहरे हुए हैं। यह सभी हाल ही में हुए स्थानांतरण के बाद यहां आए हैं। इस घटना के बाद सर्किट हाउस में खाना प्रदान करने वाली केटरिंग एजेंसी पर कार्रवाई तय है।

न्यायिक पदाधिकारी ने की लिखित शिकायत

न्यायिक पदाधिकारी ने इस संबंध में पुलिस को लिखित शिकायत दी है। हालांकि, अभी तक उनकी ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। यह घटना पूरे शहर में चर्चा का विषय बनी हुई है।

संक्षिप्त समाचार

आदापुर में विहिप-बजरंग ने जलाया पाकिस्तानी झंडा

बीएनएम। मोतिहारी। पहलगाम आतंकी हमले से उत्पन देशव्यापी आक्रोश की लहर सीमांत बाजार आदापुर में भी गुरुवार को देखा गया। बाजार के राम-जानकी मंदिर से सैकड़ों विहिप बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने स्टेशन चौक तक आक्रोश मार्च निकाला। आक्रोश मार्च का नेतृत्व विहिप-बजरंग दल के सहमंत्री नवलकिशोर गुप्ता ने किया। श्री गुप्ता ने बताया कि देश सम्प्रति ढाई मोर्चे पर लड़ रहा है। एक मोर्चा पाकिस्तान, दूसरा चीन तथा आधे मोर्चा देश में छुपे आतंकियों के स्लीपर सेल है। सरकार को पाकिस्तान को दंडित करने के साथ ही उसके स्लीपर सेल को भी कुचलना होगा। कार्यकर्ता विकास कुमार ने बताया कि पहलगाम नरसंहार का बदला केवल डिप्लोमैटिक स्ट्राईक से पूरा नहीं होगा। कार्यकर्ताओं ने पाकिस्तानी झंडे को जलाकर आक्रोश व्यक्त किया। मौके पर, विजय कुमार, जिमदार कुमार, जिज्ञासु कुमार, शिवम कुमार, सार्थक कुमार, अंजय गुप्ता, पवन कुमार, श्यामबिहारी कुमार, जितेंद्र वर्णवाल सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

रक्सौल पुलिस ने डिलीवरी बॉय को स्मैक के साथ किया गिरफ्तार

8 ग्राम से अधिक स्मैक बरामद

बीएनएम। मोतिहारी। जिला के रक्सौल थाना पुलिस ने मादक पदार्थ स्मैक की तस्करी में लिप्त एक डिलीवरी बॉय को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई। पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि रक्सौल के मछली बाजार इलाके में एक युवक स्मैक की डिलीवरी देने आया है। सूचना के आलोक में रक्सौल इंस्पेक्टर राजीव नंदन सिन्हा के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने मछली बाजार में छापेमारी करते हुए एक संदिग्ध युवक को हिरासत में लेकर उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके पास से सफेद रंग की पांच पुड़ियों में कुल 8 ग्राम से अधिक स्मैक बरामद किया गया। पूछताछ के दौरान युवक ने बताया कि वह किसी व्यक्ति को स्मैक की डिलीवरी देने आया था। हालांकि, उसे डिलीवरी किसे करनी थी, इसको लेकर पुलिस द्वारा पूछताछ जारी है। गिरफ्तार युवक की पहचान पलनवा थाना क्षेत्र के बाघा यादव के पुत्र राहुल यादव के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार रक्सौल में बढ़ते मादक पदार्थ के कारोबार की गंभीरता को देखते हुए पुलिस लगातार मादक पदार्थ के कारोबारियो पर नजर रख रही है।

पहलगाम आतंकी हमले में मृत पर्यटको को छात्र-छात्राओ ने दी श्रद्धांजलि

बीएनएम। मोतिहारी। कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले में मारे गए पर्यटको को छात्र छात्राओं ने कैन्डील जला कर श्रद्धांजलि दी। साथ ही उनके आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन धारण कर उनके आत्मा की शांति को लेकर ईश्वर से प्रार्थना की। उक्त कार्यक्रम चकिया के शिवदेनी राम इंटरनेशनल स्कूल के छात्र छात्राओं ने किया।इस दौरान छात्रो ने अंग्रेजी भाषा में लिखी हुई तख्ती से सन्देश देना चाह रहे थे कि आतंकवाद को ख़त्म करो, निर्दोष को मत मारो, आतंकवादी को सजा दो। स्कूल के निदेशक अभय कुमार गुप्ता ने बताया कि इस आतंकवादी घटना पर बच्चों की राय जानना चाही। तो बच्चों का कहना था कि पर्यटक लोग तो केवल घूमने गए थे। निर्दोष पर्यटको को आतंकवादियों ने मार दिया। इस आतंकवादी घटना में किसी बच्चे का पिता, किसी माँ का बेटा, किसी का पति मारा गया। उनका कसूर तो कुछ भी नहीं था। वे लोग तो देश का स्वीट्जरलैंड कहे जाने वाले कश्मीर में घूमने गए थे। निदेशक श्री गुप्ता ने कहा बच्चो के इस बात को सुन वे भी हतप्रत रह गए। बता दे कि इस घटना की सभी ओर से घोर निंदा की जा रही है।

शराब कारोबार में उप मुखिया पत्नी सहित गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी। जिला के संग्रामपुर थाना पुलिस ने शराब कारोबार में उत्तरी मधुबनी पंचायत के उप मुखिया शशि महतो व उसकी पत्नी रीता देवी को मधुबनी गांव से गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष धीरज कुमार सिंह ने बताया कि मधुबनी गांव में छापेमारी कर ऑफिसर चॉइस फ्रुटी विदेशी शराब 26 लीटर व दो लीटर देशी शराब पकड़ा गया। घर के भुसोली व पानी टँकी के समीप शराब छुपाने के दौरान शशि महतो व उसकी पत्नी रीता देवी को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार शशि महतो उत्तरी मधुबनी पंचायत का उप मुखिया है।बरामद शराब को जब्त कर दोनो को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। वही कुर्की मामले में वारंटी इन्द्रगाछी गांव के मंटु महतो व पुराने केस के मामले में वारंटी दिलीप महतो को भी गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही शराब पीने के मामले में कोटवा थाना क्षेत्र के हीरापुर कोटवा गांव के शंकर सिंह को गिरफ्तार किया गया। सभी को न्यायिक हिरासत में भेज मामले की जांच की जा रही है।

मोतिहारी एसपी के सर्विलांस में सैफ जवान निकला ड्रग्स तस्कर, 8 किलो मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारीः राकेश कुमार

गोलीबारी कांड में भी था संदिग्ध, एसपी ने पहले ही किया था निलंबित

पूर्वी चंपारण जिले से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। कानून की रखवाली करने वाली पुलिस यूनिट डायल 112 में तैनात रहा एक चालक ही मादक पदार्थ तस्करी जैसे संगीन अपराध में लिप्त पाया गया है। हरसिद्धि थाना क्षेत्र के गायघाट में तैनात डायल 112 वाहन के पूर्व चालक रामबालक सिंह को पुलिस ने गुरुवार को उसके घर से 8 किलो मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया है। रामबालक सिंह, जो कि रामगढ़वा थाना क्षेत्र के बंधु बरवा गांव का निवासी है, को उसकी संदिग्ध गतिविधियों के कारण पहले ही एसपी स्वर्ण प्रभात द्वारा डायल 112 सेवा से निलंबित कर दिया गया था। गुरुवार को गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने उसके घर पर छापा मारा, जहां से भारी मात्रा में मादक पदार्थ बरामद हुआ।

गोलीकांड में भी नाम आया था सामने- 30 मार्च को गायघाट चौक पर एक व्यवसायी पर हुई गोलीबारी की घटना में भी रामबालक सिंह का नाम संदेह के घेरे में था। हैरानी की बात यह रही कि वह घटनास्थल से महज 50 मीटर की दूरी पर रहता था, बावजूद इसके डायल 112 की टीम घटनास्थल पर देर से पहुंची। यह देरी तब और ज्यादा सवालों के घेरे में आ गई, जब रामबालक की भूमिका पर उंगलियां उठने लगी।

पुलिस महकमे में मचा हड़कंप- इस घटना के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है। एक ओर जहां आम जनता के मन में पुलिस की भूमिका को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं, वहीं विभाग के भीतर भी आत्मनिरीक्षण की जरूरत महसूस की जा रही है। एसपी स्वर्ण प्रभात ने स्पष्ट रूप से कहा है कि अपराध और पुलिस वर्दी एक साथ नही चल सकते। "जिस किसी की भूमिका संदिग्ध पाई जाएगी, उसे किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा,"।

कड़ी कार्रवाई की तैयारी- पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि रामबालक सिंह की संलिप्तता कितने समय से थी और क्या इसमें विभाग के अन्य लोगों की भी मिलीभगत है। जांच का दायरा बढ़ाया जा रहा है और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो को भी इस मामले में शामिल किया जा सकता है। डायल 112 जैसे तत्काल प्रतिक्रिया देने वाले यूनिट में तैनात व्यक्ति द्वारा ऐसा अपराध करना न केवल कानून व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगाता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि आंतरिक निगरानी कितनी जरूरी है।

भारत की संस्कृति रोजगार देने की रही हैः प्रो. राजेश

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के एलएनडी कॉलेज के विवेकानंद सभागार में उद्यम जागरूकता से संबंधित एक सेमिनार का आयोजन गुरुवार को किया गया। उक्त कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. (डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा ने कहा कि भारत की संस्कृति पुरातन काल से रोजगार देने की रही है और सरकार भी चाहती है कि आप रोजगार लेने वाले नहीं बल्कि रोजगार देने वाले बने। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला उद्यम संयोजक नवीन कुमार ने सरकार के द्वारा स्टार्टअप के लिए चलाई जा रही कई सारी योजनाओं से संबंधित जानकारी छात्र-छात्राओं को दी और इनसे लाभान्वित होने की अपील की। मोतिहारी अभियंत्रण महाविद्यालय के चंद्रशेखर सिंह ने कई सारे उदाहरण के माध्यम से छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आपकी सोच ही आपको सफल बना सकता है इसलिए सदैव नए-नए रोजगार के बारे में हमें सोचना चाहिए। बीसीए संयोजक डॉ. दीपक कुमार ने बताया कि छात्र/छात्राएं कोई स्टार्टअप योजना करना चाहते हैं तो महाविद्यालय के तरफ से भी राशि उपलब्ध कराई जाएगी। धन्यवाद ज्ञापित करते हुए महाविद्यालय मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभाकर कुमार ने चंपारण मटन, चनपटिया में कपड़ा बैग उद्योग का उदाहरण देते हुए कि बताया कि स्टार्टअप के मदद से धन के साथ-साथ शोहरत भी कमाया जा सकता है। इस अवसर पर बीबीए संयोजक प्रो. दुर्गेश मणि तिवारी, प्रधान सहायक राजीव कुमार, प्रो. निखिल कुमार, प्रो. श्वेता जोशी, प्रो. नीतू, शोधार्थी अवध बिहारी सिंह सहित सैकड़ों छात्र/छात्राएं उपस्थित रहे।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स - 2025 के टॉर्च दूर यात्रा का किया गया भव्य स्वागत

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के ऐतिहासिक गांधी मैदान में जिला प्रशासन एवं खेल प्रेमियों के द्वारा खेलो इंडिया यूथ गेम्स - 2025 के टॉर्च दूर यात्रा में शामिल खिलाड़ियों का भव्य स्वागत गुरुवार को किया गया। जिला प्रशासन की तरफ से नेतृत्व नगर आयुक्त सौरभ सुमन यादव के द्वारा किया गया। उनके साथ उप विकास आयुक्त शंभू शरण पांडेय एवं अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी भी मौजूद थे। भारतीय खेल प्राधिकरण, खेल विभाग बिहार एवं बिहार राज्य खेल प्राधिकरण पटना के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 4 मई से 15 मई 2025 तक खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 का आयोजन बिहार के पटना, गया, भागलपुर, राजगीर एवं बेगूसराय में किया जा रहा है। इस आयोजन के व्यापक प्रचार प्रसार एवं जन जागरण के लिए बिहार के सभी जिलों में खेलो इंडिया टॉर्च दूर यात्रा का आयोजन किया गया है जो विगत 14 अप्रैल से प्रारंभ है। इसी क्रम में गुरुवार को खेलो इंडिया टॉर्च दूर यात्रा दल का पूर्वी चंपारण जिला में आगमन हुआ जिसका मोतिहारी के गांधी मैदान में भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर इस टूर में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया एवं खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य की कामना की गई। स्वागत कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित खिलाड़ियों एवं नागरिक गण को संबोधित करते हुए नगर आयुक्त सौरभ सुमन यादव ने कहा कि बिहार में वर्ल्ड क्लास स्टेडियम का निर्माण किया गया है। यहां पर खेलों को प्राथमिकता दी जा रही है। खेल के विकास के लिए अलग से खेल मंत्रालय का गठन किया गया है। बिहार सरकार के द्वारा खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए मेडल लाओ और नौकरी पाओ की योजना चलाई जा रही है। अभी पिछले दिनों एशियाई महिला हॉकी चैंपियनशिप का यहां शानदार तरीके से आयोजन कराया गया जिसका पूरे राज्य में काफी पॉजिटिव असर पड़ा है। उन्होंने कहा कि बिहार खेल की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह बिहार के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने यह भी कहा कि मोतिहारी में भी खेल के विकास के लिए ग्रामीण विकास विभाग के द्वारा पंचायत स्तर पर खेल के मैदान का निर्माण कराया जा रहा है। इसका भी काफी अच्छा असर देखने को मिल रहा है। खुशी की बात है कि इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाली बिहार राज्य की तलवारबाजी टीम का आवासीय प्रशिक्षण मोतिहारी में दिया जा रहा है। यह आवासीय प्रशिक्षण पिछले 3 अप्रैल से चल रहा है जो 2 मई तक खेल भवन मोतिहारी में संचालित होगा। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त ने भी सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी और टॉर्च टूर में शामिल सभी खिलाड़ी एवं प्रशिक्षकों का अभिनंदन किया। इस अवसर पर जिला खेल पदाधिकारी शुभम के द्वारा बताया गया कि खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में कुल 27 खेलों का आयोजन बिहार के पटना, गया, भागलपुर, राजगीर एवं बेगूसराय में किया जा रहा है। पटना में सबसे अधिक 11 खेल जिसमें एथलेटिक्स, रग्बी, वॉलीबॉल, ई स्पोर्ट्स,बॉक्सिंग, बास्केटबॉल, टेनिस, कुश्ती, जुडो, टेबल टेनिस रोड साइक्लिंग शामिल है। वहीं राजगीर में चार खेल तलवारबाजी, हॉकी, भारतोलन, कबड्डी। गया में सात खेल- मलखंब, कलेरीपेटू, योगासन, गटका, खो-खो, था गनटा, स्विमिंग। भागलपुर में दो खेल तीरंदाजी एवं बैडमिंटन तथा बेगूसराय में फुटबॉल का आयोजन कराया जा रहा है। इस खेल में भारत के सभी राज्यों के लगभग 10000 चयनित खिलाड़ी,टीम प्रशिक्षक, टीम प्रबंधन एवं 1020 तकनीकी पदाधिकारी भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर नगर आयुक्त, उप विकास आयुक्त, डीसीएलआर सदर, जिला शिक्षा पदाधिकारी, वरीय कोषागार पदाधिकारी, निदेशक डीआरडीए, वन प्रमंडल पदाधिकारी, जिला पशुपालन पदाधिकारी, कृषि विभाग के पदाधिकारी, डीपीएम जीविका, प्रभारी पदाधिकारी सामाजिक सुरक्षा कोषांग, जिला खेल पदाधिकारी एवं जिला खेल प्रशाखा के सभी कर्मी उपस्थित रहे।

आंदोलन व सम्मेलन करने को लेकर जन सुराज पार्टी ने की बैठक

बीएनएम। मोतिहारी

जन सुराज पार्टी द्वारा जिले के 27 प्रखंडों में आंदोलन हेतु सम्मेलन की तैयारी को लेकर गुरुवार को जन सुराज पार्टी कार्यालय में जिला अध्यक्ष राम शरण यादव की अध्यक्षता एवं जिला प्रभारी राघवेंद्र पाठक की उपस्थिति में बैठक हुई। उक्त बैठक में यह तय किया गया कि आगामी 01 मई 2025 से 09 मई 2025 तक प्रत्येक प्रखंड में सम्मेलन करना है जिसमें जिला से जन सुराज पार्टी के पदाधिकारी प्रत्येक प्रखंड में कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए नियुक्ति कर दिए गए हैं। उक्त कार्यक्रम में सरकार द्वारा जो जातीय जनगणना कराई गई है वह महज खानापूर्ति की गई है एवं जातीय उन्माद फैलाकर राजनीति रोटी सेकने का काम किया जा रहा है। अतएव निर्णय लिया गया कि जातीय जनगणना से संबंधित निम्न तीन विषयों पर सरकार को घेरा जाए। वहीं आरक्षण का प्रतिशत 50 से 60% बढ़ाने का जो राज्य सरकार का निर्णय लिया गया है एवं केन्द्र सरकार को अनुमोदन के लिए भेजा गया है, उसकी अद्यतन स्थिति केंद्र सरकार/राज्य सरकार जनता के बीच स्पष्ट करें। मुख्यमंत्री द्वारा जो 94 लाख निर्धन परिवारों को 2-2 लाख रुपए रोजगार मुहैया कराने की घोषणा की गई, उसपर कोई कारवाई क्यों नहीं हुई। राज्य सरकार ने राज्य के भूमिहीन परिवारों को 3 डिसमिल जमीन आवास निर्माण के लिए देने की घोषणा की गई थी, उसे क्यों नहीं मुहैया कराया गया। सरकार द्वारा जो जमीन सर्वे कराया जा रहा है उसमें अनेकों त्रुटियां रह जाने के कारण आम लोगों को न सिर्फ परेशानी हो रही है, बल्कि अस्पष्टता रहने के कारण एक ओर जमीन विवाद से संबंधित कलह, मारपीट एवं जानलेवा जैसी घटनाएं हो रही है तो दूसरी ओर इससे जुड़े भ्रष्ट पदाधिकारीयों द्वारा लोगों से अवैध वसूली की जा रही है और लोग त्राहिमाम कर रहे हैं। यह निर्णय लिया गया कि सरकार तत्काल चलाए जा रहे सर्वे कार्यक्रम को स्थगित करे तथा ठोस एवं स्पष्ट नीति तैयार करने के बाद ही इसे लागू करें। उपरोक्त विषयों की जानकारी 11 मई 2025 से अभियान चलाकर आम लोगों को घर-घर तक दी जाए एवं एक करोड़ लोगों का हस्ताक्षर कराकर 11 जुलाई 2025 को महामहिम राज्यपाल/मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपी जाएगी। इसके बाद आगामी विधानसभा सत्र में पार्टी विधानसभा का घेराव करेंगी। उक्त बैठक में कुसुम देवी, कृष्णकांत मिश्र महासचिव, अभय कुमार अधिवक्ता, मुख्य प्रवक्ता जन सुराज, अरुण कुमार तिवारी, कार्यालय प्रभारी, सुबोध कुमार तिवारी, पोला वर्मा, संजय कुमार सिंह, डॉ. मंतोष सहनी, विजय कुशवाहा, मिनहाज अहमद, अजय आजाद इत्यादि जन सुराज पार्टी के पदाधिकारी शामिल रहे। इसकी जानकारी अभय कुमार अधिवक्ता मुख्य प्रवक्ता जन सुराज पूर्वी चम्पारण ने दी है।

रक्सौल के प्रतीक ने समुद्र तल से 4130 मीटर ऊँचे नेपाल के अन्नपूर्णा बेस कैम्प पर लहराया तिरंगा

मिल रही है बधाइयां

बीएनएम। मोतिहारी

जिला के रक्सौल शहर के पुराना एक्सचेंज रोड निवासी प्रभु शंकर प्रसाद के पुत्र प्रतीक कुमार ने नेपाल की सबसे ख़तरनाक चोटी माउंट अन्नपूर्णा के बेस कैम्प पर तिरंगा लहराया है।प्रतीक की इस उपलब्धि से रक्सौल शहर में हर्ष व्याप्त है। प्रतीक ने यह कठिन अभियान महज तीन दिनों में पूरा कर एक नया इतिहास रचा है। पंजाब के चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी से बी.बी.ए. की डिग्री हासिल करने वाले प्रतीक मेधावी विद्यार्थी होने के साथ- साथ खेलों में भी विशेष अभिरुचि रखते हैं तथा पर्वतारोहण को लेकर गहरी जिज्ञासा थी । फलस्वरूप पिता प्रभु शंकर प्रसाद ने बेटे की भावनाओं को समझते हुए प्रतीक को 4130 मीटर ऊँचे अन्नपूर्णा बेस कैम्प पर तिरंगा लहराने के अभियान की इजाजत दी। प्रतीक ने बताया कि नेपाल के सहयोग से उन्होंने यह अभियान को पूरा किया। नेपाल के धान्दुकी (नेपाल) से कठिन चढ़ाई शुरू की , जिसमें बारिश, स्नोफॉल,बेहद संकीर्ण रास्ते, उबड़-खाबड़, पथरीली रास्तों को पार जब समुद्र तल से 4130 मीटर ऊँचे अन्नपूर्णा पोस्ट पर तिरंगा लहराया तो गर्वानुभूति हुई। प्रतीक ने इस बात को रेखांकित किया अन्नपूर्णा बेस कैम्प की यात्रा एक संकल्प और परिवर्तन की यात्रा साबित हुई है। नेपाल की यात्रा (ट्रेक टेल्स) के साथ 4,130 मीटर ऊँचे अन्नपूर्णा बेस कैंप पर पहुंचना सिर्फ एक शारीरिक चुनौती नहीं थी, बल्कि यह आत्म-विकास, दृढ़ता और आत्म-खोज की एक अविस्मरणीय यात्रा रही। उन्होंने इस अनुभव को स्मरण कर कुछ प्रमुख सीख और भावनाएं साझा करते हुए बताया कि पहाड़ों का अप्रत्याशित मौसम हर कदम पर मेरी सहनशक्ति की परीक्षा ले रहा था। अचानक बर्फबारी, तीखी ठंड और लगातार बदलते मौसम ने हर दिन को एक नई चुनौती बना दिया लेकिन इन्हीं कठिनाइयों ने मुझे लचीलापन और धैर्य का महत्व सिखाया। मौसम मेरे लिए एक शिक्षक बन गया, जिसने मुझे सिखाया कि अनिश्चितताओं को अपनाना और प्रक्रिया पर भरोसा करना कितना जरूरी है, चाहे रास्ता कितना भी कठिन हो। मुझे सबसे अधिक प्रेरणा मिली खुद को परखने की इच्छा से। हिमालय की भव्यता और सुंदरता ने हमेशा मुझे आकर्षित किया था। जब मैंने उन लोगों की कहानियां सुनीं जिन्होंने अपने डर को हराया और असंभव को संभव किया, तो मुझे भी एक नई राह पर चलने की प्रेरणा मिली। लेकिन असली प्रेरणा भीतर से आई और खुद को यह साबित करने की कि मैं न केवल शारीरिक कठिनाइयों को पार कर सकता हूँ, बल्कि अपने मानसिक अवरोधों को भी तोड़ सकता हूँ।पोखरा से गंडुक, झिनु, चोमरोंग, अपर सीनुवा, बांस, डोभन, दोउराली, हिमालय और माछापुच्छे बेस कैंप होते हुए अन्नपूर्णा बेस कैंप तक पहुँचने में करीब तीन दिन लगे। लेकिन नीचे लौटने में सिर्फ दो दिन लगे। इस ऊँचाई की खूबसूरती में हर पल जैसे खुद में एक जीवन का पाठ समेटे हुए था। पहाड़ों में समय सीधा नहीं चलता — वो खींचता है, सिमटता है, और आपको वर्तमान में जीना सिखाता है। हर सूर्योदय और सूर्यास्त के साथ मैंने शांति और एकांत के लम्हों की कद्र करना सीखा। अन्नपूर्णा बेस कैंप पहुँचना खुशी का एक अविस्मरणीय क्षण था, लेकिन असली परिवर्तन यात्रा में ही छिपा था। मैं वापस लौटा तो केवल एक शरीर के साथ नहीं, बल्कि एक नई सोच, आत्मविश्वास और आत्मबल के साथ लौटा। यह ट्रेक मेरे लिए केवल एक ट्रेक नहीं था — यह मेरे दृष्टिकोण को बदलने वाला अनुभव था। इसने मुझे सिखाया कि सच्चे अनुभव असुविधा और अनिश्चितता को अपनाने में ही मिलते हैं। जो भी ट्रेक पर जाने का सोच रहा है, उनके लिए मेरा यही संदेश हैः यह केवल शारीरिक साहस की मांग नहीं करता यह आत्मिक विकास का एक सुनहरा अवसर है। हर कदम आपके अंदर एक नए और मजबूत इंसान को जन्म दे रहा होता है।अन्नपूर्णा बेस कैम्प पर सफलतापूर्वक तिरंगा लहराने के बाद अति उत्साह से लबरेज प्रतीक आने वाले वर्षों में माउंट एवरेस्ट बेस कैम्प पर भी तिरंगा लहराने की योजना बना रहे हैं। प्रतीक के इस अभियान की सफलता पर बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है, जिनमें प्रमुख रूप से प्रतीक के चाचा गौरीशंकर प्रसाद, भरत प्रसाद गुप्त,शिवपूजन प्रसाद, रजनीश प्रियदर्शी, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद सिंह, नारायण प्रसाद निराला,रमेश कुमार, अरूण कुमार गुप्ता, राजकुमार गुप्ता,ज्योतिराज गुप्ता, पूनम गुप्ता, मुरारी गुप्ता, सरोज गिरि, अशोक कुमार गुप्ता, राजकुमार रौनियार समेत नगर के कई गणमान्य नागरिक शामिल रहे।

घिउवाढार चौक पर चला बुलडोजर, अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई से राहगीरो को राहत

बीएनएम। मोतिहारी

गुरुवार को हरसिद्धि प्रखंड के धीववाढार चौक पर स्थानीय प्रशासन ने अरेराज मुख्य मार्ग पर अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कदम उठाते हुए बुलडोजर से अतिक्रमण हटाया। सड़क के दोनों ओर दुकानदारों द्वारा किए गए अतिक्रमण से सड़क संकीर्ण हो गई थी, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं हो रही थीं। स्थानीय दुकानदारों ने अपनी दुकानों के आगे जाफड़ी लगाकर और मिट्टी भराई कर सड़क को ऊंचा और तंग बना दिया था। स्थिति का जायजा लेने के लिए अंचलाधिकारी अरविंद कुमार चौधरी और थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा खुद मौके पर पहुंचे। निरीक्षण के बाद बुलडोजर मंगवाया गया और सड़क के दोनों किनारों से अतिक्रमण को हटवाया गया। इस कार्रवाई में लगभग 20 से 25 दुकानों के सामने से अतिक्रमण हटाया गया। अतिक्रमण हटाने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई थी ताकि किसी प्रकार की बाधा न उत्पन्न हो। अधिकारियों ने दुकानदारों को सख्त चेतावनी दी कि भविष्य में यदि पुनः अतिक्रमण किया गया तो संबंधित लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन की इस सख्ती से आम नागरिकों और राहगीरों को बड़ी राहत मिली है।

नकल मुक्त व स्वच्छ वातावरण में संचालित हो रही है बी.एड की परीक्षा - केंद्राधीक्षक

कदाचार में लिप्त किसी भी कदाचारी परीक्षार्थी को किसी भी परिस्थिति में बख्शा नहीं जाएगा- प्रो. कुमारी बबिता श्रीवास्तव

बीएनएम। मोतिहारी

बाबा साहब भीमराव अंबेडकर बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर के निर्देशानुसार शहर के बनकट स्थित मोतिहारी डिग्री ईवनिंग कॉलेज में (सत्र- 2024-2026) बी.एड प्रथम वर्ष और (सत्र- 2023-25) बी.एड द्वितीय वर्ष की परीक्षार्थियों की परीक्षा कदाचार मुक्त व शांतिपूर्ण माहौल में गुरुवार को सम्पन्न हुआ। गुरुवार को प्रथम पाली में आवंटित कुल 701 परीक्षार्थियों में 695 उपस्थित व 6 अनुपस्थित पाए गए। वहीं द्वितीय पाली में आवंटित कुल 689 परीक्षार्थियों में 686 उपस्थित व 3 परीक्षार्थी अनुपस्थित पाए गए। दोनों पालियों में निष्कासित परीक्षार्थियों की कुल संख्या शून्य रही। यहां पांच बी.एड कॉलेज जिसमें एलएनडी कॉलेज, एसएनएस बी.एड कॉलेज, राधा कृष्ण सीकरीया एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, डॉ. एसपी सिंह कॉलेज, एसएम सोएब बी.एड कॉलेज के परीक्षार्थियों की परीक्षा केंद्र निर्धारित किया गया है। केंद्राधीक्षक-सह-प्राचार्य डॉ. कुमार काशवेन्द्र ने बताया कि गुरुवार को प्रथम पाली में प्रथम वर्ष की "लैंग्वेज एक्रॉस द करिकुलम" तथा द्वितीय पाली में द्वितीय वर्ष की "असेसमेंट ऑफ़ लर्निंग" बिषय की परीक्षा ली गई। केंद्राधीक्षक ने बताया कि यहां नकल मुक्त, शांतिपूर्ण व स्वच्छ वातावरण में परीक्षा संचालित की जा रही है। वहीं प्रोफेसर कुमारी बबिता श्रीवास्तव ने बताया कि परीक्षा हॉल में मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच, किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, किताब, कॉपी, गेस पेपर, पॉलिथीन, मनी बैग, लेडीज पर्स, चिट-पुर्जे, अवांछित सामग्री ले जाना सख्त वर्जित है, पाए जाने कि स्थित में उक्त सामग्री को जब्त कर परीक्षार्थी को परीक्षा से निष्कासित कर दिया जाएगा। कहा कि कदाचार में लिप्त किसी भी कदाचारी परीक्षार्थी को किसी भी परिस्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। वहीं प्रोफेसर श्रीवास्तव ने बताया कि आगामी 02 मई, शुक्रवार को प्रथम वर्ष तथा द्वितीय वर्ष की परीक्षार्थियों की परीक्षा आयोजित की जाएगी, जिसमें प्रथम वर्ष बी.एड के परीक्षार्थियों की परीक्षा में "अंडरस्टैंडिंग डिसिप्लिनस एण्ड सब्जेक्ट्स" (पूर्वाह्न 09:00 बजे से 12:00 अपराह्न) तक होगी। वहीं बी.एड द्वितीय वर्ष के परीक्षार्थियों की परीक्षा में "क्रिएटिंग फॉर लर्निंग" (अपराह्न 2:00 से 5:00 बजे) तक आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा के सफल संचालन में प्रोफेसर कुमारी बबिता श्रीवास्तव, डॉ. राकेश कुमार, स्वाती कुमारी, रेखा कुमारी, डॉ. संजय कुमार, प्रेमवासा कुमारी सहित अन्य वीक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका मिल रही है।

बगहा रेलवे ओवरब्रिज का पीएम ने किया रिमोट से उद्घाटन

बीएनएम। बगहा: बगहा रेलवे ओवरब्रिज का उद्घाटन गुरुवार को पीएम नरेंद्र मोदी ने मधुबनी से रिमोट द्वारा किया।वही इस आरओबी का उद्घाटन के बाद रेल ओवर ब्रिज को आम लोगों के लिए खोल दिया गया।जिससे बगहा शहर में अवागमन की सुविधा अच्छी होगी।साथ ही बगहा रेलवे ढाला पर लगने वाले जाम से भी लोगों को मुक्ति मिली।वही प्रोजेक्ट मैनेजर कैलाशनाथ यादव ने बताया कि रेलवे ओवर ब्रिज का शुभारंभ पीएम मोदी ने रिमोट द्वारा किये।गौरतलब हो कि बगहा रेलवे ढाला पर अप्रैल 2022 में आरओबी का निर्माण शुरू हुआ था।करीब डेढ़ किलोमीटर लंबे व सात मीटर चौड़े पुल के निर्माण में 42 करोड़ का खर्च हुआ है।इसके निर्माण से बगहा शहर में लगने वाले जाम से लोगों को मुक्ति मिलेगी व आवागमन सुलभ होगा।मौके पर प्रोजेक्ट मैनेजर कैलाशनाथ यादव सहित तमाम लोग उपस्थित थे।

पिरहिंडा के शिक्षक हुए राज्यपाल से सम्मानित

बीएनएम। सिकंदरा। नालंदा खुला विश्वविद्यालय अध्ययन केंद्र टीपीएस उच्च विद्यालय ,पिरहिंडा से संस्कृत विषय में पंकज कुमार मिश्रा स्नातकोत्तर की डिग्री पाकर गोल्ड मेडल हासिल किया। गोल्ड मेडल हासिल करने से जमुई जिले सहित सिकंदरा प्रखंड का नाम रौशन किए हैं। ज्ञात हो 22 अप्रैल को पटना के बापू सभागार में नालंदा खुला विश्वविद्यालय के 17 वें दीक्षांत समारोह में 5 हजार सफल अभ्यर्थियों को शाही टोपी पहनाकर सम्मानित किया गया। वही 53 छात्र-छात्रा गोलेमेडलिस्ट हासिल किया। जिसमें 11 छात्र अपने अपने विषयों में गोल्डमेडलिस्ट हुएं। बताते चले कि सिकंदरा प्रखंड के टी पी एस उच्च विद्यालय पिरहिंडा में पदस्थापित संस्कृत विषय के शिक्षक पंकज कुमार मिश्रा को भी गोल्ड मेडलिस्ट हासिल किए हैं। उन्हें यह सम्मान बिहार के राज्यपाल सह कुलाधिपति आरिफ मोहम्मद खान ने दिया। सम्मानित शिक्षक ने कहा कि मेरा लगाव संस्कृत विषय में बचपन से ही रहा है अब में विद्यालय के अध्ययनरत छात्र छात्राओं को संस्कृत विषय में रुचि जगाउगा। दूसरी तरफ एन यू ओ अध्यन केंद्र पिरहिंडा से स्नातकोत्तर पत्रकारिता से अमित कुमार सविता भी प्रथम श्रेणी से उतीर्णता प्राप्त की है। वही विद्यालय के प्राचार्य आलोक कुमार ने दोनों सफल अभ्यर्थी को बधाई एवम उज्वल भविष्य की कामना की है।

तीन वारंटी गिरफ्तार

बीएनएम। जमुई/झाझा। अलग अलग मामलों में फरार चल रहे तीन वारंटियों को पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अलग अलग जगहों से गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने बताया कि पुराने मामले में न्यायालय में आत्मसमर्पण नही करने पर तीनों अभियुक्तों के खिलाफ वारंट जारी किया गया। जारी वारंट के आधार पर कठबजरा गांव से नंदू यादव और उसका भाई विनोद यादव तथा बेलाटांड़ गांव से आशो यादव को गुप्त सूचना के आधार पर उनलोगों के घर से गिरफ्तार किया गया। कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद गिरफ्तार तीनो वारंटी को न्यायिक हिरासत में जमुई भेज दिया गया।

पटना में झुलसाती गर्मी: 24 से 30 अप्रैल तक बदले स्कूलों के समय

बीएनएम। पटना: बिहार की राजधानी इन दिनों प्रचंड गर्मी की चपेट में है। तापमान में लगातार हो रही वृद्धि और हीट वेव की चेतावनी को देखते हुए जिला प्रशासन ने एहतियातन स्कूलों के समय में बदलाव का निर्णय लिया है। इस निर्णय का उद्देश्य छात्रों को गर्मी की मार से सुरक्षित रखना है।पटना के जिलाधिकारी डॉ. चंद्रशेखर सिंह के हस्ताक्षर से मंगलवार, 23 अप्रैल को जारी आदेश के मुताबिक, जिले के सभी सरकारी, निजी, मिशनरी, प्री-स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्रों में 24 अप्रैल से 30 अप्रैल तक दोपहर 11:45 बजे के बाद कोई भी शैक्षणिक गतिविधि संचालित नहीं की जाएगी। इसका सीधा असर स्कूल की दिनचर्या पर पड़ा है, जहां अब कक्षाएं सुबह के समय ही पूरी करनी होंगी। गौरतलब है कि पटना में सामान्यतः स्कूलों का संचालन सुबह 6:30 या 7:00 बजे से दोपहर 12:30 या 1:00 बजे तक होता है। लेकिन बढ़ती गर्मी और बच्चों के स्वास्थ्य को देखते हुए प्रशासन ने यह सख्त कदम उठाया है। आदेश में यह भी कहा गया है कि सभी शिक्षण संस्थानों को इसका कड़ाई से पालन करना होगा। यह कदम न सिर्फ विद्यार्थियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देता है, बल्कि समाज को यह संदेश भी देता है कि शिक्षा महत्वपूर्ण है, लेकिन जान से बढ़कर कुछ नहीं। फिलहाल, जिले के स्कूलों में सुबह की घंटियों के साथ ही शिक्षा का माहौल तेज हो जाएगा और दोपहर होते-होते सन्नाटा पसर जाएगा।

पहलगाम आतंकी हमले पर देश मर्माहत, जवाब ज़रूरी: अभिषेक झा

बीएनएम। पटना: जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर जदयू प्रवक्ता अभिषेक झा ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इस घटना को "दुर्भाग्यपूर्ण, दुखद और नृशंस" करार देते हुए कहा कि ऐसी घटनाओं को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। झा ने कहा कि भारत सरकार की ओर से कड़े कदम उठाए जा रहे हैं और देश इस समय गहरे शोक में है। उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि देश आक्रोशित है और आने वाले समय में इस हमले का करारा जवाब दिया जाएगा।वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आज झंझारपुर दौरे को लेकर विपक्ष द्वारा उठाए गए सवालों पर भी झा ने पलटवार किया। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री का कार्यक्रम पूरी सादगी के साथ आयोजित हो रहा है, लेकिन विपक्षी दल इसमें भी राजनीति खोज रहे हैं।झा ने विपक्ष पर तीखा कटाक्ष करते हुए कहा कि महागठबंधन के नेता खुद बैठकें कर रहे हैं, लेकिन प्रधानमंत्री की सभा पर सवाल उठा रहे हैं। इन्हें पहले अपने गिरेबान में झांक कर देखना चाहिए। हमें इनके सर्टिफिकेट की ज़रूरत नहीं, उन्होंने कहा।जेडीयू प्रवक्ता का यह बयान एक ओर जहां आतंकी हमले के प्रति सरकार के रुख को स्पष्ट करता है, वहीं दूसरी ओर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप की नई बहस को भी जन्म देता है।

एम्बुलेंस में हाइवा ने मारी टक्कर

बीएनएम। जमुई/झाझा

जमुई में दुर्घटनाग्रस्त एम्बुलेंस

झाझा करहरा मुख्य मार्ग स्थित नागी पक्षी आश्रयणी केंद्र के समीप झाझा रेफरल अस्पताल के सरकारी एम्बुलेंस में एक हाइवा ने टक्कर मार दी । जिससे एम्बुलेंस क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि चालक की सूझबूझ से एम्बुलेंस बीच सड़क पर पलटने से बच गई। प्राप्त जानकारी अनुसार सरकारी झाझा रेफरल अस्पताल से एम्बुलेंस पैरगाहा में प्रसव के बाद प्रसूता एवं उसके घर वालो को छोड़कर एम्बुलेंस चालक वापस झाझा सरकारी अस्पताल आ रहा था। नागी पक्षी आश्रयणी केंद्र के समीप एम्बुलेंस चालक ज्योही पहुंचा की सामने से आ रही एक हाइवा एम्बुलेंस के एक भाग में टक्कर मारते हुए भागने लगा। जिसके बाद एम्बुलेंस चालक दूसरे वाहन से भाग रहे हाइवा को पकड़ा और तुरन्त अस्पताल एवं एम्बुलेंस एजेंसी को सूचना दी। एम्बुलेंस चालक ने बताया कि सामने से बेलगाम तरीके से हाइवा चालक अपना वाहन लेकर आते दिखाई दिया और जब सामने तो उससे बचने की कोशिश की लेकिन फिर भी हाइवा चालक ने एम्बुलेंस के एक भाग में टक्कर मार ही दी। घटना के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई।

पहलगाम आतंकी हमले में शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

बीएनएम। लखीसराय

शहर के माउंट लिटरा जी स्कूल में गुरुवार को पहलगाम (जम्मू-कश्मीर) में हुए आतंकवादी हमले के खिलाफ एक विशेष शोकसभा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आतंकवाद के विरुद्ध एकजुटता व्यक्त करना, शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करना तथा छात्रों में देशभक्ति एवं मानवीय मूल्यों को जागृत करना था।कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय प्रांगण में हुई, जहां समस्त छात्र-छात्राएँ, शिक्षकगण एवं अभिभावकों की उपस्थिति हुए। कैंडल लाइट के पश्चात दो मिनट का मौन रखकर पहलगाम हमले में शहीद हुए नागरिकों की आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना की गई। इस शोक सभा में स्कूल के चेयरमैन संजीव स्नेही ने सभा को संबोधित करते हुए कहा की यह घटना पूरे देश के लिए गहरा आघात है। ऐसे क्षणों में हमें एकजुट होकर मानवता और देश की सुरक्षा के लिए खड़े होने की आवश्यकता है। हमारे छात्र ही देश का भविष्य हैं, और आज उन्हें यह संकल्प लेना चाहिए कि वे देश की एकता, अखंडता और शांति के रक्षक बनेंगे।"विद्यालय की सचिव विजेता स्नेही ने कहा:"इस हमले में जो क्षति हुई है, उसकी भरपाई संभव नहीं। लेकिन हम सबको एक जिम्मेदार नागरिक की तरह समाज में भाईचारे, सहानुभूति और सद्भाव का वातावरण बनाना होगा। आज का कार्यक्रम केवल श्रद्धांजलि नहीं, बल्कि एक चेतना है – कि हमें देश के लिए सकारात्मक कार्य करने हैं।कार्यक्रम के दौरान कक्षा 1 से 8 के छात्रों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। कुछ छात्रों ने अपने हाथों से बनाए गए पोस्टरों और बैनरों के माध्यम से आतंकवाद विरोधी संदेश दिए।कार्यक्रम का समापन "वन्दे मातरम्" के सामूहिक गायन के साथ हुआ। कार्यक्रम ने न केवल शहीदों के प्रति सम्मान व्यक्त किया, बल्कि छात्रों में देशभक्ति, करुणा और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना भी जागृत की।

ट्रक की टक्कर से युवक की मौत, ग्रामीणों में आक्रोश

बीएनएम। मोतिहारी

पूर्वी चंपारण जिले के हरसिद्धि थाना क्षेत्र अंतर्गत घिउवाढाग़ चौक पर गुरुवार को एक भीषण सड़क हादसे में 24 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान मुरली गाँव निवासी रोशन कुमार उर्फ चंदन कुमार के रूप में हुई है, जो बाइक से कहीं जा रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तेज़ गति से आ रहे एक ट्रक ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोग आक्रोशित हो गए। सूचना मिलते ही हरसिद्धि थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुँची। डीएसपी रंजन कुमार के नेतृत्व में ट्रक को जब्त कर लिया गया है और शव को पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी सदर अस्पताल भेज दिया गया।

परिजनों पर टूटा दुखों का पहाड़- रोशन कुमार की मौत की खबर जैसे ही उसके घर पहुँची, परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने बताया कि रोशन अपने माता-पिता का इकलौता सहारा था और परिवार की आर्थिक स्थिति पहले से ही कमजोर है।

स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मांग- घटना की जानकारी मिलते ही कई स्थानीय जनप्रतिनिधि और समाजसेवी मौके पर पहुँचे। उन्होंने प्रशासन से पीड़ित परिवार को तत्काल आर्थिक सहायता और सरकारी मुआवजा देने की मांग की। ग्रामीणों ने यह भी कहा कि घिउवाढाग़ चौक पर अक्सर तेज़ रफ्तार वाहनों का आना-जाना रहता है, लेकिन सुरक्षा के कोई उपाय नहीं किए गए हैं।

प्रशासन की कार्रवाई- हरसिद्धि थाना प्रभारी ने बताया कि ट्रक को कब्जे में ले लिया गया है और चालक की पहचान की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

स्कूली बच्चों ने दी श्रद्धांजलि

जमुई में श्रद्धांजलि देते स्कूली बच्चे

बीएनएम। जमुई/झाझा

जम्मू कश्मीर के पहलगाम स्थित बैसरन घाटी में आतंकवादियों द्वारा पर्यटकों के ऊपर कायराना तरीक़े से किये गए हमले में 26 पर्यटको की हुई मौत पर ग्रामीण क्षेत्र के धोबियाकुरा चौक स्थित ब्राइट पब्लिक स्कूल में गुरुवार को स्कूली बच्चों के बीच विद्यालय परिवार ने शोक सभा कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्कूली बच्चों सहित शिक्षक शिक्षिकाएं एवं अन्य विद्यालय कर्मियों ने जान गंवाने वाले पर्यटकों को याद कर दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना कर दुखित परिवार को हिम्मत प्रदान करने की शक्ति ईश्वर करे इसकी कामना किया। विद्यालय निदेशक पुरुषोत्तम मंडल सहित स्कूली बच्चों ने केंद्र सरकार से मांग किया कि आतंकवाद को जन्म देने वाला देश और आतंकियों को मुंहतोड़ जबाब दे ताकि दुबारा आंतकवादी इस देश पर और देशवासियों पर नजर उठाकर न देखे और न ही इस तरह की घटना करने के बारे में सोचें।

प्रशासन का एक्शन : गंडक पार के धनहा पुल चौक से डीही चौराहे तक किया अतिक्रमण मुक्त

एसडीएम के आदेश पर प्रशासन ने चलाया अतिक्रमण मुक्त अभियान

बीएनएम। बगहा

बगहा अनुमंडल के गंडक पार स्थित धनहा पुल चौक एवं डीही चौक से गुरुवार को मुख्य सड़क के बगल में बनीं दुकानों को प्रशासन ने अतिक्रमण मुक्त कराया। अनुमंडल पदाधिकारी बगहा के आदेश के आलोक में डीही चौक पर अतिक्रमण बाद संख्या 2 /22 - 23 के आलोक में पुलिस बल के सहयोग से अतिक्रमण मुक्त कराया गया। धनहा पुल चौक के दुकानदारों ने प्रशासन द्वारा दिए गए समय के अनुसार अपनी अपनी दुकानों को हटा लिया। अंचलाधिकारी मधुबनी नंदलाल राम ने बताया कि धनहा मौजा के डीही चौक पर अतिक्रमण वाद संख्या 2/ 22 - 23, खाता संख्या 348, खेसरा 70/ 19, रकबा 21 डिसमिल को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए एसडीएम कोर्ट में तीन वर्षों से मामला चल रहा था। एसडीएम के आदेश के आलोक में पुलिस बल के सहयोग से उक्त भूमि से अतिक्रमण हटाया गया। उधर धनहा पुल चौक पर दुकानदारों द्वारा मुख्य पथ के दोनों तरफ दुकान बना लेने के कारण बांध के दोनों तरफ बोल्डर पिचिंग करने में परेशानी हो रही थी। दुकानों के नहीं हटने के कारण बोल्डर पिचिंग करने में परेशानी हो रही थी। पुल चौक से अतिक्रमण हटाने के लिए पथ निर्माण विभाग से मधुबनी अंचल को आवेदन प्राप्त हुआ था। आवेदन के आलोक में एक सप्ताह पहले ही सभी दुकानदारों को 24 अप्रैल तक अपनी अपनी दुकान हटा लेने की सूचना दे दी गई थी। सूचना के आलोक में दुकानदारों ने अपनी स्वेच्छा से अपनी दुकानों को हटा रहे है। डीही में भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के दौरान सीओ नंदलाल राम, थानाध्यक्ष धर्मवीर कुमार भारती, एसआई जितेंद्र कुमार, आभा कुमारी, सहित धनहा एवं नदी थाना की महिला एवं पुरुष पुलिस जवान शामिल थे।

नवयुवक संघ ने पहलगाम की घटना पर पाकिस्तान का पुतला फूंका

बीएनएम। जमुई/ झाझा

पहलगाम हमले के विरोध में नवयुवक संघ के संयोजक गौरव सिंह राठौड़ की अगुवाई मे बस स्टैंड में पाकिस्तान का पुतला जलाकर जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने पाकिस्तान के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की। गौरव सिंह राठौड़ ने कहा कि पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हैं 26 पर्यटकों का बलिदान कभी जाया होने नहीं दिया जाएगा और आतंकवादियों को इसका हिसाब देना पड़ेगा। भारत सरकार अविलंब आंतकवादी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें और आंतकवादी को पनाह देने वाले पाकिस्तान को भी करारा जवाब दे। उन्होंने कहा कि जघन्य आतंकी हमले पर गहरा दुख व्यक्त करता हूं। इसके बाद कार्यकर्ताओं द्वारा शांतिपूर्ण विरोध रैली में शामिल हुए जो बस स्टैंड से सोहजाना चौक पहुंचे जहां इस घटना की निंदा की और शोक संतप्त परिवारों अपना दुख व्यक्त किया और दो मिनट का मौन भी रखा। इस मौके नव युवक संघ के दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

नवजीवन की आस लिए हृदय रोग से ग्रसित जिले के 06 बच्चे अहमदाबाद के लिए रवाना

» मुख्यमंत्री बाल हृदय योजना अन्तर्गत बच्चों को मिलेगा नया जीवन

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के सदर अस्पताल मोतिहारी से सुबह 06 बच्चे एम्बुलेंस से पटना राज्य स्वास्थ्य समिति रवाना हुए, जहाँ से बच्चे राज्य स्वास्थ्य समिति के देखरेख में सत्यसाईं अस्पताल अहमदाबाद चिकित्सक के साथ रवाना होंगे। वहीं शाम में 02 बच्चे डिवाइस क्लोजर सर्जरी हेतु पटना आईजीआईसी भेजें गए। जहाँ गंभीर हृदय रोग से ग्रसित बच्चों का शल्य चिकित्सा अहमदाबाद के सत्य साईं हॉस्पिटल में होना है। इस संबंध में जिले के आरबीएसके डीसी डॉ शशि मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया की आयुष राज -अरेराज, कन्हैया कुमार -कल्याणपुर, कान्ति कुमारी -चिरैया, मो. रेहान आलम - घोड़ासाहन, स्नेहा कुमारी - ढाका, सूरज कुमार - पकड़ीदयाल, सुबह भेजें गए है वहीं आईजीआईसी पटना में विश्वजीत कुमार 9.5 वर्ष मोतिहारी सदर, कार्तिक कुमार 9 वर्ष आदापुर क्रो डिवाइस क्लोजर सर्जरी हेतु रवाना किया गया है। डॉ शशि मिश्रा ने बताया की ख़ुशी है की जिले के गंभीर हृदय रोग से पीड़ित बच्चों क्रो मुख्यमंत्री बाल हृदय योजना अन्तर्गत बच्चों को अब नया जीवन मिलेगा।

ऐसे होती है बाल हृदय रोगियों की खोज :- राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत बच्चों की आँगनबाड़ी केंद्र एवं सरकारी स्कूलों में चिकित्सकों के द्वारा समय समय पर जाँच की जाती जिसमे हृदय रोग से ग्रसित बच्चों को जिले में रेफर किया जाता है उसके बाद आवश्यक कागजात की प्रक्रिया के बाद पटना आईजीआईसी या अहमदाबाद के सत्य साईं हॉस्पिटल में शल्य चिकित्सा कराई जाती है। बच्चों के दिल में छेद की सर्जरी श्री सत्य साई हॉस्पिटल अहमदाबाद में कराया जाती है। जहाँ बच्चों एवं उनके अभिभावक क्रो फ्लाइट से ले जाया जाता है वहीं रहने खाने का भी निःशुल्क प्रबंध किया जाता है।

सबसे बड़ा बैंकिंग घोटाला

भगोड़े हीरा व्यापारी मेहुल चोकसी को बेल्जियम में गिरफ्तार कर लिया गया। चोकसी और उसके भतीजे नीरव मोदी पर पंजाब नैशनल बैंक से तकरीबन साढ़े तेरह हजार करोड़ रुपयों के गबन का आरोप है। मोदी अभी लंदन की जेल में है और भारत प्रत्यर्पित किए जाने के खिलाफ कानूनी जंग लड़ रहा है। इस घोटाले में उसकी पत्नी एमी और भाई निशाल भी मुख्य अभियुक्त हैं। चोकसी मुंबई की अदालत में हलफनामा दे कर भारत आने में अक्षमता जाहिर कर चुका है। वह कैंसर का मरीज है, जिसका इलाज बेल्जियम में चल रहा है। भारतीय एजेंसियां प्रवर्तन निदेशालय और सीबीआई के साथ मिल कर प्रत्यर्पण का प्रयास कर रही हैं। बैंक ने 2018 में पहली बार मोदी, चोकसी और अन्य अधिकारियों के खिलाफ 280 करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप लगाया था। जांच के बाद यह देश का सबसे बड़ा बैंकिंग घोटाला निकला। इसमें बैंक अधिकारियों की मिलीभगत भी पाई गई। हालांकि मोदीकाल में होने वाले बैंक घोटालों में यह अकेला नहीं है। सरकारी दस्तावेज के अनुसार 2012-16 के दरम्यान सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को बाइस हजार करोड़ रुपये से अधिक का चूना लगाया जा चुका है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के 429, आईसीआईसीआई के करीब 455, स्टैंर्डड बैंक के 244 और एचडीएफसी बैंक के 237 के करीब धोखाधड़ी के मामले पकड़े जाने की पुष्टि हुई है। मोदी के इस घोटाले के बाद पीएनबी ने अपने बीस कर्मचारियों को निलंबित भी किया था। बैंकों के इस गोरखधंधे में बैंककर्मियों की मिली-भगत पकड़ी गई है। इसी दरम्यान देश से भाग चुके आर्थिक अपराधी विजय मल्या पर भी बैंकों को साढ़े नौ हजार करोड़ रुपये का चूना लगाने के खिलाफ चार्जशीट फाइल की गई थी। कहने में दोष नहीं है कि प्रत्यर्पण संधि के बावजूद कानूनी प्रक्रिया बेहद जटिल होती है, और आरोपियों को स्वदेश लाने में सालों लग जाते हैं। चोकसी का मामला भी अभी फेडरल पब्लिक जस्टिस और फॉरेन अफेयर्स की निगरानी में होगा। सरकार किस हद तक दोषी को वापस लाने की कवायद करती है, यह तो वक्त ही बताएगा। धोखाधड़ी के इस धन की वसूली और सजा देने में लगने वाले समय की चर्चा अभी बेमानी है क्योंकि सार्वजनिक बैंकों में इतने बड़े आर्थिक घोटालों में सरकार की भूमिका भी संदिग्ध ही पाई जाती रही है।

आतंकवाद से निपटना आज की आवश्कता

संजय गोस्वामी

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम के बैसरन में मंगलवार 22 अप्रैल, 2025 की दोपहर करीब तीन बजे बड़ा आतंकी हमला हुआ। आतंकियों ने पर्यटकों के ग्रुप को निशाना बनाया, जिसमें 30 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। दर्जन भर से ज्यादा लोग इस हमले में घायल भी हुए, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। आतंकियों को पकड़ने के लिए सुरक्षाबलों द्वारा सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। सीआरपीएफ (CRPF) की क्विक एक्शन टास्क फोर्स भी आतंकियों की तलाश कर रही है। इस बीच गृह मंत्री अमित शाह श्रीनगर का दौरा किया है जम्मू-कश्मीर में 2019 के पुलवामा अटैक के बाद सबसे बड़ा आतंकी हमला हुआ है। आतंकियों ने मंगलवार को पर्यटकों पर फायरिंग की, जिसमें 28 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में एक यूएई और एक नेपाल का पर्यटक और 2 स्थानीय नागरिक शामिल हैं। बाकी पर्यटक यूपी, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु और ओडिशा के हैं।पहलगाम में एक दिनपहले हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजरभारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित रखने का फैसला किया है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बुधवार (23 अप्रैल, 2025) को प्रधानमंत्री आवास पर सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की बैठक के बाद यह घोषणा की। इस बीच, सरकार ने गुरुवार (24 अप्रैल, 2025) को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। मंगलवार (22 अप्रैल, 2025) दोपहर को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम के ऊपरी इलाकों में बैसरन घास के मैदानों में नागरिकों पर हुए सबसे घातक हमलों में से एक में आतंकवादियों के एक समूह ने दो विदेशी पर्यटकों सहित कम से कम 27 लोगों की हत्या कर दी।लेकिन सवाल यह है कि ऐसा कब तक करेंगे देश सर्वोपरि है सेना को पूर्ण रूप से छूट जब तक नहीं होगा लोग मारे जाते रहेंगे।इस क्रूरता की जितनी निंदा की जाए उतनी कम है क्योंकि आतंकवाद का कोई धर्म या क़ोई नियम कानून नहीं होता वो केवल अपनी माँगों को पूरा करने के लिये सरकार के ऊपर दबाव बनाने के साथ ही आतंक को हर जगह फैलाने के लिये निर्दोष लोगों के समूह या समाज पर हमला करते हैं। उनकी माँगे बेहद खास होती हो, जो वो चाहते हैं केवल उसी को पूरा कराते हैं। ये मानव जाति के लिये एक बड़ा खतरा है। वो कभी-भी अपने दोस्त, परिवार, बच्चे, महिला या बूढ़े लोगों के लिये समझौता नहीं करते हैं। वो केवल लोगों की भीड़ पर बम गिराना चाहते हैं। वो लोगों पर गोलियाँ चलाते हैं, विमानों का अपहरण करते हैं और दूसरी आतंकी गतिविधियों को अंजाम देते हैं।कम से कम समय में अपने मुख्य क्षेत्रों या देशों में आतंक फैलाने के लिये आतंकवादी लक्ष्य बनाते हैं। पूर्व में, ऐसा माना जाता है कि आतंकवादी गतिविधियाँ केवल जम्मू और कश्मीर तक ही सीमित थी लेकिन अब ये अपनी जड़ें देश के दूसरे क्षेत्रों में भी फैला रहा है। देश में अलग-अलग नामों के साथ कई सारे आतंकवादी समूह सक्रिय हैं। अपने कार्य के अनुसार राजनीतिक और आपराधिक आतंकवाद के दो मुख्य प्रकार हैं। कुछ खास लक्ष्यों को पूरा करने के लिये प्रशिक्षित लोगों का समूह है आतंकवाद। विभिन्न उद्देश्यों को पूरा करने के लिये एक से ज्यादा आतंकी समूह प्रशिक्षित किये जाते हैं। ये एक बीमारी की तरह है जो नियमित तौर पर फैल रही है और अब इसके लिये कुछ असरदार उपचार की जरुरत है।आतंकवादी कहे जाने वाले प्रशिक्षित लोगों के समूह के द्वारा अन्यायपूर्ण और हिंसात्मक गतिविधियों को अंजाम देने की प्रक्रिया को आतंकवाद कहते हैं। वहाँ केवल एक मालिक होता है जो समूह को किसी भी खास कार्य को किसी भी तरीके से करने का सख्त आदेश देता है। अपने अन्यायी विचारों की पूर्ति के लिये उन्हें पैसा, ताकत और प्रचार की जरुरत होती है। ऐसी परिस्थिति में, ये मीडिया होती है जो किसी भी राष्ट्र के समाज में आतंकवाद के बारे में खबर फैलाने में वास्तव में मदद करती है। अपनी योजना, विचार और लक्ष्य के बारे में लोगों तक पहुँच बनाने के लिये आतंकवाद भी मीडिया का सहारा लेता है।अपने उद्देश्य और लक्ष्य के अनुसार विभिन्न आतंकी समूह का नाम पड़ता है। आतंकवाद की क्रिया मानव जाति को बड़े पैमाने पर प्रभावित करती है और लोगों को इतना डरा देती है कि लोग अपने घरों से बाहर निकलने में डरते हैं। वो सोचते हैं कि आतंक हर जगह है जैसे घर के बाहर रेलवे स्टेशन, मंदिर, सामाजिक कार्यक्रमों, राष्ट्रीय कार्यक्रमों आदि में जाने से घबराते हैं। लोगों के दिमाग पर राज करने के साथ ही अपने कुकृत्यों कों प्रचारित और प्रसारित करने के लिये अधिक जनसंख्या के खास क्षेत्रों के तहत आतंकवादी अपने आतंक को फैलाना चाहते हैं। आतंकवाद के कुछ हालिया उदाहरण 7 अक्टूबर को इजराइल में हमास का हमला,अमेरिका का 9/11 और भारत का 26/11 हमला है। इसने इंसानों के साथ ही बड़े पैमाने पर देश की अर्थव्यवस्था को भी चोट पहुँचायी है।युद्ध द्वारा किसी राष्ट्र से आतंकवाद और आतंक के प्रभाव को खत्म करने के लिये, सरकार के आदेश पर कड़ी सुरक्षा का प्रबंध किया गया है। वो सभी जगह जो किसी भी वजह से भीड़-भाड़ वाली जगह होती या बन जाती है जैसे सामाजिक कार्यक्रम, राष्ट्रीय कार्यक्रम जैसे गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस, मंदिर आदि को मजबूत सुरक्षा घेरे में रखा जाता है। सभी को सुरक्षा नियमों का पालन करता पड़ता है और ऑटोमैटिक बॉडी स्कैनर मशीन से गुजरना पड़ता है। इस तरह के उपकरणों का इस्तेमाल करने के द्वारा सुरक्षा कर्मियों को आतंकवादी की मौजूदगी का पता लगाने में मदद मिलती है। इस तरह की कड़ी सुरक्षा प्रबंधन के बाद भी हम लोग अभी-भी आतंकवाद का खिलाफ प्रभावशाली रुप से नहीं खड़े हो पा रहें हैं, उससे लड़ने की आवश्यकता है,आतंकी समूह को खत्म करने के साथ ही आतंक के खिलाफ लड़ने के लिये हर साल हमारा देश ढ़ेर सारे पैसे खर्च करता है। हालाँकि, ये अभी-भी एक बीमारी की तरह बढ़ रही है क्योंकि रोजाना नये आतंकवादी तैयार हो रहें हैं। वो हमारी तरह ही बहुत सामान्य लोग हैं लेकिन उन्हें अन्याय करने के लिये तैयार किया जाता है और अपने एक समाज, परिवार और देश के खिलाफ लड़ने के लिये दबाव बनाया जाता है। वो इस तरह से प्रशिक्षित होते हैं कि उन्हें अपने जीवन से भी प्यार नहीं होता, वो लड़ते समय हमेशा अपना कुर्बान होने के लिये तैयार रहते हैं। एक भारतीय नागरिक के रुप में, आतंकवाद को रोकने के लिये हम सभी पूरी तरह से जिम्मेदार हैं और ये तभी रुकेगा जब हम कुछ बुरे और परेशान लोगों की लालच भरी बातों में कभी नहीं आयेंगे।आज, आतंकवाद एक सामाजिक मुद्दा बन चुका है। इसका इस्तेमाल आम लोगों और सरकार को डराने-धमकाने के लिये हो रहा है। बहुत आसानी से अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये विभिन्न सामाजिक संगठन, राजनीतिज्ञ और व्यापारिक उद्योगों के द्वारा आतंकवाद का इस्तेमाल किया जा रहा है।: यहाँ सब अपने लिए ही सोचते हैं तभी तो गुरूगोविन्द सिंह ने खालसा पंथ बनाया जिसमें सर की मांग की और दूध का दूध पानी का पानी हो गया और सबको जिन्दा बाहर निकाला एकता का इससे सुन्दर परिचय क्या हो सकता है इस समय आतंकवादी हमले पर मारे गए लोगों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करें हमें उसपर तर्क या बयान देना उचित नहीं ऐ बर्बरतापूर्ण कार्य है जिसे कड़ी से कड़ी निंदा करता है ईश्वर सभी को हिम्मत दे व आत्मा की शांति की प्रार्थना करता हूँ बहुत दुःखद घटना है वो धर्म को निशाना बनाया गया जिससे समाज में नफरत पैदा हो लेकिन हमें भारत माता का शीश कभी झुकने नहीं देना है जब तक भारत को माता नहीं मानते हैं तो देश टूट जाता है आपस में ही लड़ने लगते हैं जो अब सब मिलकर आतंकवादी से निपटने की जरुरत है।

सूडोकु नवताल- 7411

मध्यम

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7410 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

वन विभाग की आधारहीन चिंता

कुलभूषण उपमन्यु

बड़ी मुश्किल से 17 साल बाद हिमाचल प्रदेश सरकार जागी, तो वन विभाग नाहक ही चिंता ग्रस्त हो गया। वन अधिकार कानून 2006 दो साल बाद दो हजार आठ में अधिसूचित होने के बाबजूद आज तक लागू किए जाने को तरस रहा था। यह कानून संसद द्वारा वनवासी और अन्य वननिर्भर समुदायों के प्रति ब्रिटिश हुकूमत में किए गए ऐतिहासिक अन्याय को दूर करने के लिए इन समुदायों की वनों पर निर्भरता को ध्यान में रखते हुए वनों पर कानूनी रूप में कुछ अधिकार देने की बात करता है, जिसमें 2005 की 13 जनवरी से पहले यदि आजीविका के लिए वन भूमि का प्रयोग किया जा रहा है या आवास और पशुशाला आदि बनाई है तो उतनी वन भूमि पर, आदिवासी और अन्य वन निर्भर समुदायों को इस्तेमाल का हक प्रदान करने का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा सामुदायिक रूप से वनों में जो बरतनदारी हक, परंपरा से इन समुदायों को छूट के रूप में प्राप्त है, उन्हें कानूनी अधिकार के रूप में दिए जाने का प्रावधान है। बरतनदारी में वनों के प्रबंधन की जिम्मेदारी देने के साथ इनके संरक्षण संवर्धन का कर्तव्य भी निर्धारित किया गया है। स्थानीय विकास के लिए जरूरी वन भूमि के हस्तांतरण की प्रक्रिया भी वन संरक्षण अधिनियम की लंबी प्रक्रिया से बाहर निकाल कर इस कानून के तहत आसान की गई है, जिसके लिए दिल्ली की ओर देखने की जरूरत नहीं बल्कि वन अधिकार समिति की संस्तुति से वन मण्डल अधिकारी के स्तर पर ही एक हेक्टेयर तक भूमि का स्थानीय विकास की 13 मदों के लिए हस्तांतरण किया जा सकता है बशर्ते उसमें 75 से ज्यादा पेड़ न आते हों। इस तरह यह कानून न केवल आदिवासी और अन्य वन निर्भर समुदायों की आजीविका का संरक्षण करता है बल्कि वन संरक्षण कार्य में स्थानीय जन सहयोग को बढ़ा कर वन संरक्षण कार्य को भी मजबूत करता है। स्वयं वन विभाग भी वन संरक्षण में जन सहयोग के लिए साझा वन योजना जैसे प्रयोग सफलता पूर्वक कर चुका है। हालांकि यह प्रयोग अनमने भाव से ही किए गए थे फिर भी परिणाम उत्साह वर्धक रहे हैं। इसलिए कोई कारण नहीं है कि उक्त अधिनियम के अंतर्गत कानूनी तौर पर प्रबंधन के अधिकार मिलने पर, समुदाय कामयाब नहीं होगा। बल्कि कानूनी तौर पर पूर्ण सशक्त होने पर सामुदायिक प्रबन्धन बहुत सफल होगा। आखिर पंचायतों को भी जब संवैधानिक संस्था का दर्जा दिया गया तो सारा कार्य सफलता पूर्वक संभाल ही रही हैं। फिर किसी को खुली छूट भी तो दी नहीं जा रही है। बल्कि वन प्रबंधन समितियों को नियम कानूनों के प्रति जवाबदेह बनाने की व्यवस्था है। पिछले दिनों जब हिमाचल प्रदेश सरकार ने जनजाति विकासमंत्री जगत सिंह नेगी के नेतृत्व में वन अधिकार कानून को लागू करने के लिए मिशन मोड में कार्य शुरू किया तो वन विभाग सकते में आ गया। एक पत्र जिलाधीशों, मुख्य अरण्यपालों, और वन मंडल अधिकारियों को जारी किया गया, जिसमें तथाकथित दिशा-निर्देशों की बात की गई है, जबकि कानून को लागू करने का काम वन अधिकार अधिनियम के तहत जनजातीय विभाग को सौंपा गया है। वन विभाग का काम केवल साझा निरीक्षण में हाजिर होना है या उपमंडल समितियों और जिला स्तरीय समितियों में सहयोग देना है। दिशा-निर्देश तो पहले ही एक्ट, नियम और केन्द्रीय दिशा निर्देशों के रूप में आ चुके हैं। अब सवाल यह पैदा होता है कि इस समय, जब सरकार इस कानून को लागू करने के प्रति गंभीरता से काम करने जा रही है तो विभाग की ओर से यह पत्र क्यों जारी किया गया। सत्रह साल तक विभाग को यह याद क्यों नहीं आई। फिर वीडियोग्राफी करने और सैटेलाइट फोटो का प्रयोग करने के सुझाव क्यों दिए गए जबकि एक्ट में उनका कोई जिक्र नहीं है। इससे साफ यह शक जाहिर होता है कि वन विभाग अब फिर इस कानून को लागू करने के काम में अड़ंगा लगाना चाहता है। पत्र में कोनिफर पेड़ों की ही चिंता जाहिर की गई है, यानि टिंबर देने वाले पेड़ ही इनके लिए पेड़ हैं। ऊंचाई पर भी क्लाइमेक्स जंगल में तो बान, बुरांस, खरशु, मोहरू, चिरन्दी जैसे अनेक वृक्ष प्रजातियां हैं। उनको तो ये लोग कोयला जलाने के लिए काट कर खुद नष्ट करते रहे हैं और उनके रोपण की भी कोई कोशिश नहीं की जाती थी। अभी कुछ वर्षों से ही ये प्रयास शुरू हुए हैं। अभी भी कितना सफल होते हैं पता नहीं। शिवालिक के सघन मिश्रित वनों को गर्डलिंग करके सुखाया गया और चीड़ के वनों में बदल दिया गया। यह काम सुधार वानिकी के नाम पर किया गया। इसी कारण वन्य प्राणी जंगली फलों और चारे के अभाव में खेतों में अत्यधिक नुकसान करने लग गए हैं, जिससे स्थानीय आजीविका का कितना नुकसान हुआ इसका आकलन तक नहीं किया गया है।

आज का राशिफल

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। बिजनेस में फायदा हो सकता है। घरेलू जरूरत की चीजों की खरीददारी हो सकती है। आज नए संपर्क बनेंगे। किसी आदर्श व्यक्ति की प्रेरणा से भरपूर ऊर्जा मिलेगी। आपसी बातचीत द्वारा कई परिस्थितियां बेहतर होगी। आज रुका हुआ कार्य संपन्न होगा।

वृष राशिः आज आपका दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आप परिवारवालों के साथ समय बितायेंगें घर में खुशी का महौल बना रहेगा। आज आपका व्यवस्थित और सकारात्मक दृष्टिकोण हर जगह उचित तालमेल बनाकर रखेगा। आज व्यवसाय से संबंधित गतिविधि करते समय अपने कार्य क्षमता पर भरोसा रखें । बिजनेस बढ़ाने के लिए नए शोध और योजनाओं की जरूरत है।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आपकी निजी समस्या सुलझ सकती है। व्यक्तिगत रिश्ते में चल रही समस्याओं को अपने ऊपर हावी ना होने दें। बच्चों की गतिविधियों को नजरअंदाज ना करें। आज किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेना जरूरी है। ज्यादा सोच विचार करने से आपकी कार्यप्रणाली पर असर पड़ सकता है।

कर्क राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आप अपने कार्यक्षेत्र में बेहतर ढंग से काम करने की कोशिश करेंगे। मेहनत से किये गये काम में आपको सफलता मिलेगी। आज आप अपने राजनैतिक अथवा सामाजिक संपर्कों को और अधिक मजबूत करेंगे । आज कोशिश करने पर मनचाहा कार्य पूरा हो सकता है। परंतु लेनदेन के मामलों में ज्यादा लाभ की उम्मीद ना रखें।

सिंह राशिः आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आपको आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। अपने भविष्य को बेहतर बनाने के लिए आप नये कदम उठायेंगे, जिसमें आप सफल भी होंगे। आज परिवार के साथ हर्षोल्लास के साथ समय बीतेगा। कार्यकुशलता के दम पर आप वह उपलब्धि हासिल कर लेंगे जिसकी कभी आपने तमन्ना की थी। आज अचानक परिस्थितियां कुछ ऐसी बनेगी कि आपका फंसा हुआ पैसा वापस मिल जाएगा ।

कन्या राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। दोस्तों और परिवार के साथ व्यस्त रहेंगे। बड़ा काम निपटाने की जिम्मेदारी आपको मिल सकती है। आज दूसरों के मामले में दखलंदाजी ना करें और ना ही बिन मांगे सलाह न दे । आज बीती हुई नकारात्मक बातों को दिमाग पर हावी न होने दे, क्योंकि इस वजह से सब कुछ ठीक रहते हुए भी आपको कहीं ना कहीं उलझन महसूस होगी। साथ ही अपनी भावनाओं व क्रोध पर नियंत्रण रखें।

तुला राशिः आज आप अपने खर्चे पर कंट्रोल करने की कोशिश करेंगे। आपको अपनी मनपसंद कंपनी में इंटरव्यू के लिए बुलावा आयेगा। आज आप दिन की शुरुआत में ही अपने खास कार्यों की रूपरेखा बना ले । आपकी सकारात्मक सोच आपको निर्णय लेने में सहयोग करेगी। आज आप धार्मिक कार्यों में रूचि लेंगे।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आप ज्यादा समय परिवार वालों के साथ बिता सकते हैं। आज आपके लिए फैसला करना कठिन होगा। आज किसी समस्या से आपको राहत मिलने वाली है और परिवार के साथ किसी धार्मिक गतिविधि में समय बीतेगा। जिससे सकारात्मक और ऊर्जावान महसूस करेंगे। भाइयों के साथ रिश्ते में मधुरता बढ़ेगी। कोई काम मनोनुकूल तरीके से ना हो, तो धैर्य बनाएं रखें।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए फायदेमंद होने वाला है। आज आपको आय के नए रास्ते सामने नज़र आ सकते हैं। आज ऑफ़िस में किसी सीनियर का सहयोग मिलने से काम में आसानी होगी। विद्यार्थियों को अपने किसी विषय को लेकर की गई मेहनत में सफलता हासिल होगी।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। सेहत के मामले में दिन अच्छा है। किसी को अपनी बातों से सहमत करवाना चाह रहे हैं तो सावधान रहें। आज कुछ चुनौतियां सामने आएंगी लेकिन आपकी सूझबूझ से हल भी निकलते जाएंगे।

कुंभ राशिः आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आज आपकी मेहनत के मुताबिक फल मिलेगा। आज उधार दिया हुआ या फंसा हुआ पैसा वापस मिलने से आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। आप अपनी योग्यता और प्रतिभा द्वारा विशेष उपलब्धि हासिल करने में सक्षम रहेंगे। पिता या पिता समान किसी व्यक्ति की सलाह और मार्गदर्शन का जरूर अनुसरण करें। आज व्यस्तता के चलते कार्यस्थल पर अधिक समय नहीं दे पाएंगे।

मीन राशिः आज का दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। काम शुरू करने से पहले उस क्षेत्र से जुड़े लोगों की राय जरुर ले लें। आज आपका पिछले काफी समय से रुका हुआ काम हल होने वाला है, जिससे आप राहत महसूस करेंगे।

देश में एक नया दर्शन स्थापित

अजीत द्विवेदी

कर्ज लेकर घी पीने का एक दर्शन भारत में रहा है। चार्वाक ऋषि को इस दर्शन का प्रणेता माना जाता है। हालांकि यह दर्शन ज्यादा लोकप्रिय नहीं हुआ क्योंकि कर्ज लेकर घी पीने वालों को भारतीय समाज में फ्रॉड माना जाता है। इसलिए यह काम बड़े लोगों खासकर उद्योगपतियों, कारोबारियों, नेताओं आदि के लिए छोड़ दिया गया। मध्यवर्ग अपनी मोरालिटी में इससे दूर रहा तो निचले तबके को इसका मौका ही नहीं मिला। लेकिन अब देश में एक नया दर्शन स्थापित हो रहा है। कर्ज लेकर दाल-रोटी चलाने का। नोटबंदी, जीएसटी और केंद्र सरकार की अन्य आर्थिक नीतियों के साथ साथ कोरोना की महामारी ने भारतीय समाज को इस दर्शन का अनुपालन करने के लिए मजबूर कर दिया है। भारत में कर्ज के आंकड़े परेशान करने वाले हैं। एक तरफ अमीरों का कर्ज है, जिसमें से पिछले 10 साल में 16 लाख करोड़ रुपए का कर्ज भारत सरकार ने बट्टेखाते में डाला है तो दूसरी ओर रोजमर्रा की जरुरतों को पूरा करने के वास्ते लिए गए कर्ज का आंकड़ा है, जिसके बोझ तले देश का मध्य वर्ग दबा हुआ है। कोरोना महामारी के बाद घरेलू कर्ज यानी रोजमर्रा की जरुरतों को पूरा करने के वास्ते लिया गया कर्ज लगातार बढ़ता जा रहा है। कई स्तरों पर कर्ज डिफॉल्ट हो रहा है और बैंकों का पैसा डूब रहा है। रिजर्व बैंक के पिछले साल यानी 2024 में क्रेडिट कार्ड सेगमेंट में डिफॉल्ट राशि 28.42 फीसदी बढ़ कर 6.742 करोड़ रुपए हो गई है। पिछले साल जून तक गोल्ड लोन का डिफॉल्ट 6,696 करोड़ रुपए हो गया था। क्रेडिट कार्ड और गोल्ड लोग दोनों का कर्ज छोटी छोटी घरेलू जरुरतों को पूरा करने के लिए लिया गया है। जून 2021 में जब कोरोना महामारी की दूसरी लहर समाप्त हुई उस समय घरेलू कर्ज भारत के सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी के 36.5 फीसदी था, जो जून 2024 में बढ़ कर जीडीपी के 42.9 फीसदी तक पहुंच गया। अगर 2015 से 2019 की चार साल की अवधि को देखें तो घरेलू कर्ज का औसत जीडीपी के 33 फीसदी के आसपास था। यानी 2019 के बाद से इसमें 10 परसेंटेज प्वाइंट की बढ़त हुई है। अगर भारत की जीडीपी चार सौ लाख करोड़ रुपए है तो इसका मतलब है कि चार साल में घरेलू कर्ज में 40 लाख करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हो गई है। घरेलू कर्ज के आंकड़ों की थोड़ी और बारीकी में जाते हैं तो पता चलता है कि मार्च 2021 से मार्च 2024 की तीन साल की अवधि में बैंकों से लिए जाने वाले पर्सनल लोन में 75 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। इस अवधि में नॉन बैंकिंग फाइनेंस कंपनीज और हाउसिंग फाइनेंस कंपनी के कर्ज में 70 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। इसी अवधि में मिनी माइक्रो फाइनेंस कंपनी के कर्ज में 67 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। इसकी तुलना में इसी अवधि में घरेलू आय में 43 फीसदी और उपभोग में 49 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। यानी आय व उपभोग के अनुपात में कर्ज ज्यादा बढ़ा है। अर्थशास्त्र के जानकारों का कहना है कि अगर कर्ज बढ़ने का ट्रेंड 2015 से 2019 वाला रहता और उसके बाद चार साल में जितनी तेजी से बढ़ा है वैसे नहीं बढ़ता तो उपभोक्ता खर्च में जीडीपी के दो फीसदी के बराबर कमी आती। इसका बहुत बड़ा असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता। सबसे ज्यादा चिंता की बात यह है कि ज्यादातर कर्ज घरेलू और रोजमर्रा की जरुरतों को पूरा करने के लिए लिया जा रहा है। निवेश करने या कारोबार बढ़ाने के लिए इस अनुपात में कर्ज नहीं लिया जा रहा है। दूसरी खास बात यह है कि पांच लाख रुपए सालाना से कम आय वाले लोग अपनी जरुरतों को पूरा करने के लिए ज्यादा कर्ज ले रहे हैं। यही कारण है कि अनसिक्योर लोन की मात्रा सबसे ज्यादा बढ़ रही है। अगर बैंकों से लिए जाने वाले घरेलू कर्ज में क्रेडिट कार्ड और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स के कर्ज को जोड़ दें तो मार्च 2021 से मार्च 2024 की अवधि में कर्ज बड़ने का आंकड़ा 82 फीसदी पहुंच जाता है। इन तीनों मामलों यानी घरेलू कर्ज, क्रेडिट कार्ड और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स का गैर बैंकिंग वित्तीय संस्थाओं का कर्ज इसी अवधि में 130 फीसदी की दर से बढ़ा है। तभी माना जा रहा है कि पांच लाख से कम आय वाला घर चलाने के लिए कर्ज ले रहा है और उससे ज्यादा मध्य आय वाला वर्ग घर और कार आदि के लिए कर्ज ले रहा है। चिंता की दूसरी बात यह है कि पहले से चल रहे कर्ज के बाद भी परिवार कर्ज ले रहे हैं। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक निजी कर्ज लेने वाले पांच से में तीन लोगों के ऊपर एक साथ तीन लोन की किस्तें चल रही हैं। माइक्रो फाइनेंस की बात करें तो छह फीसदी ऐसे हैं, जिन पर चार या उससे ज्यादा कर्ज चल रहे हैं। इसका मतलब है कि घरेलू आय का बड़ा हिस्सा कर्ज की किस्तें भरने में जा रहा है और अगर आय में बहुत जल्दी व तेजी से बढ़ोतरी नहीं होती है तो बैंकों के कर्ज एनपीए में बदलेंगे या आम लोगों पर कर्ज चुकाने का बहुत बड़ा दबाव बनेगा। उनकी कमाई का ज्यादा हिस्सा कर्ज चुकाने में जाएगा। तभी रिजर्व बैंक ने कर्ज की शर्तें सख्त करने और जोखिम का आकलन करने का निर्देश दिया। इससे कर्ज देने की रफ्तार में थोड़ी कमी आई लेकिन इसका असर उपभोग पर पड़ा और विकास दर गिर गई। सो, यह अलग जोखिम है। इस बीच रिजर्व बैंक ने रेपो रेट में कमी शुरू कर दी है। दो कटौती हो गई है। इससे कर्ज और उपभोग दोनों बढ़ेंगे। पर मुश्किल यह है कि अगर कमाई नहीं बढ़ी तो कर्ज कहां से चुकता होगा? फिर तो बैंकिंग सेक्टर का भी भ_ा बैठेगा। ध्यान रहे बैंकों के कर्ज में निजी और घरेलू कर्ज का हिस्सा एक तिहाई है और एनबीएफसी व एचबीएफसी के कर्ज में आधा है। ऐसा नहीं है कि उपभोग के लिए सिर्फ निजी कर्ज या क्रेडिट कार्ड और कंज्यूमर उत्पादों के लिए बैंकों या एनबीएफसी से कर्ज लिए जा रहे हैं, गोल्ड लोन यानी सोना गिरवी रख कर कर्ज लेने का ट्रेंड भी तेजी से बढ़ा है। इसका भी ज्यादातर हिस्सा घरेलू जरुरतों को पूरा करने से जुड़ा है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक फरवरी 2025 में गोल्ड लोन में 87.4 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। यह बढ़ कर 1.91 लाख करोड़ रुपए पहुंच गई है। 2019 से 2024 के बीच सोना गिरवी रख कर कर्ज लेने वाली महिलाओं की संख्या में 22 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। इसी बीच गोल्ड लोन डिफॉल्ट में 30 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक मार्च 2024 में गोल्ड लोन बकाया 1,02,562 करोड़ था, जो अक्टूबर 2024 तक बढ़ कर 1,54,282 करोड़ हो गया और फरवरी 2025 में बढ़ कर 1.91 लाख करोड़ हो गया। गोल्ड लोन के बाद कर्ज का तीसरा सेगमेंट है सूदखोर महाजनों का जिनके चंगुल में देश की गरीब आबादी का बड़ा हिस्सा फंसा हुआ है। ऐसे नागरिक, जिनकी नियमित आय का कोई साधन नहीं है, जिनको कोई भी बैंक, एनबीएफसी या एचबीएफसी कर्ज नहीं देता है और जिनके पास सोना नहीं है, जिसे गिरवी रख कर कर्ज लें वे अपने गांव, कस्बे या शहर के महाजन पर निर्भर हैं। गांवों और छोटे शहरों से लेकर महानगरों तक ऐसे कर्ज देने वाले महाजन हैं।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

भारतीय टीम के इंग्लैंड दौरे में इन खिलाड़ियों को मिल सकता है अवसर

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति आगामी इंग्लैंड के टेस्ट दौरे के लिए अगले महीने की शुरूआत में टीम घोषित कर सकती है। इसके अलावा इंग्लैंड लायंस से मुकाबले के लिए भारत ए टीम भी घोषित की जाएगी। इसी को देखते हुए बीसीसीसी टीम में मध्यक्रम में कुछ अच्छे खिलाड़ियों को शामिल कर सकती है। अभी मध्यक्रम में दो स्थान ऐसे हैं जिसके लिए चयनसमिति युवाओं को अवसर दे सकती है। इन दो स्थानों के लिए अभी तकरीबन 6 दावेदार है। इंग्लैंड दौरे के खिलाफ 5 टेस्ट मैच के लिए टीम में 15 या 16 खिलाड़ियों जगह दी जा सकती है। इस दौरे के समय भारत की ए टीम भी इंग्लैंड में रहेगी और ऐसे में मुख्य टीम की जरूरत के मुताबिक ए टीम के खिलाड़ी भी उसमें शामिल किये जा सकते हैं। इसी को देखते हुए राष्ट्रीय चयन समिति इस बार घरेलू सत्र में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों पर भी नजर बनाए हुए हैं। यह दौरा 20 जून से शुरू होगा और अगस्त के पहले

सप्ताह में समाप्त होगा। इसमें रजत पाटीदार, बी साई सुदर्शन, करुण नायर, सरफराज खान और देवदत्त पडिक्कल पर नजरें रहेंगी।

रजत पाटीदार : रजत पाटीदार के पास तकनीक और मैदान के चारों ओर सहजता से शॉट खेलने की शानदार क्षमता है। आईपीएल में वह आरसीबी की कप्तानी कर रहे हैं। रणजी के अलावा अन्य घरेलू टूर्नामेंटों में उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। रजत एक अच्छे बल्लेबाज के तौर पर उभरे हैं जो टिककर खेलते हैं।

बी साई सुदर्शनः साई सुदर्शन लाल गेंद के क्रिकेट में भी एक ऐसे खिलाड़ी हैं जो लंबी रेस के घोड़े हैं। वह आईपीएल में गुजरात टाइटन्स के लिए पहले ही 400 से अधिक रन बनाकर अपने को साबित हो चुके हैं। चयनकर्ताओं की नजर इस खब्बू बल्लेबाज पर इसलिए भी होगी क्योंकि उनकी तकनीक अच्छी है और चोटिल होने से पहले उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में भारत ए के लिए भी अच्छा प्रदर्शन किया था। उनकी सबसे बड़ी ताकत यह है कि वह पारी की शुरुआत करने के साथ ही टीम की जरूरत के हिसाब से मध्यक्रम में भी बल्लेबाजी कर सकते हैं। वे लंबे समय तक खेलने वाले खिलाड़ी हैं और 23 साल की उम्र में वे बड़ी चुनौती के लिए तैयार दिख रहे हैं।

करुण नायरः टेस्ट में भारत के लिए तिहरा शतक जड़ने वाले केवल दूसरे बल्लेबाज नायर ने मध्यक्रम में अपनी लय खो दी थी पर विदर्भ के साथ जुड़ने के बाद वह फॉर्म में शानदार तरीके से वापसी करने में सफल रहे। घरेलू सत्र उनके लिए स्वप्निल रहा, जिसमें उन्होंने प्रथम श्रेणी मैचों में 850 से अधिक रन बनाए। इसके अलावा आईपीएल में भी उनका प्रदर्शन इस सत्र में अच्छा रहा है।

देवदत्त पडिक्कल : देवदत्त पडिक्कल को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर कप्तान रोहित शर्मा की गैरमौजूदगी में पहले मैच में टेस्ट पदार्पण करने का मौका मिला। पडिक्कल ने दूसरी पारी में यशस्वी जायसवाल के साथ एक प्रभावशाली साझेदारी के दौरान अपनी प्रतिभा की झलक दिखाई। वह आईपीएल में अच्छे फॉर्म में हैं और अगर वह सीनियर टीम में जगह नहीं बना पाते हैं, तो वह निश्चित रूप से भारत ए टीम में शामिल होंगे।

सरफराज खानः न्यूजीलैंड के खिलाफ अक्टूबर में बेंगलुरु में 150 रन बनाने के बाद भी सरफराज को टेस्ट टीम में जगह नहीं मिली पायी पर अगले टेस्ट मैचों में कुछ खराब शॉट चयन से उन्होंने अपनी जगह गंवा दी। इसके बाद घरेलू क्रिकेट में उन्होंने जमकर रन बनाये जिससे उन्हें इस बार जगह मिलने की संभावना है।

श्रेयस अय्यरः आईपीएल में पंजाब किंग्स की कप्तानी कर रहे श्रेयस अय्यर को पिछले साल रणजी क्रिकेट की जगह आईपीएल को वरीयता देने के लिए बीसीसीआई से फटकार झेलने के बाद बाहर कर दिया गया था ।

आईपीएल 2025: मुंबई इंडियंस ने लगातार चौथा मैच जीता, हैदराबाद को 7 विकेट से दी पटखनी

हैदराबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 41वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को 26 गेंद शेष रहते 7 विकेट से हरा दिया। लगातार चार मैचों में मिली जीत के साथ मुंबई की टीम अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। मुंबई के नौ मैच में 5 जीत के साथ 10 अंक हो गए हैं। तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट को धारदार गेंदबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने 4 ओवर में 26 रन खर्च कर 4 विकेट अपने नाम किए। हैदराबाद के राजीव गांधी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में मुंबई को 144 रन के लक्ष्य मिला था, जिसे उसने 16वें ओवर में बना लिया। मुंबई के लिए रोहित शर्मा ने शानदार 70 रन बनाए। अपनी पारी में रोहित ने 8 चौके और तीन छक्के जड़े। रोहित के अलावा, सूर्यकुमार यादव के नाबाद 40 रन की अहम पारी रही। वहीं, विल जैक्स के 22 रन और रियान रिकल्टन ने 11 रन का योगदान दिया। सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से जयदेव उनादकट, ईशान मलिंगा और जीशान अंसारी को एक-एक सफलता मिली। इससे पहले, टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए सनराइजर्स हैदराबाद ने निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 143 रन बनाए। हालांकि टीम की शुरुआत काफी खराब रही। हैदराबाद ने 35 रन के अंदर 5 विकेट गंवा दिए। इसके बाद हेनरिकक क्लासेन और अभिनव मनोहर ने मोर्चा संभाला और 99 रन की साझेदारी कर टीम को बेहतर स्थिति में ले गए। इन दोनों के शानदार प्रदर्शन के बल पर टीम का स्कोर 143 रन तक पहुंच सका। मुंबई के लिए ट्रेंट बोल्ट ने 4 विकेट चटकाए। जबकि दीपक चहर को दो सफलता मिली। वहीं, जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या को एक-एक विकेट मिला।

रोहित को अर्धशतकीय पारी के लिए मिला विशेष अवार्ड

मुम्बई। मुम्बई इंडियंस के अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अपनी अर्धशतकीय पारी के लिए विशेष इनाम मिला है। इस मैच में रोहित की 70 रनों की पारी से मुम्बई इंडियंस को इस मैच में शानदार जीत मिली जिससे वह अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गयी है। रोहित ने पिछले मैच में अर्धशतक लगाया था। इस प्रकार लगातार दो मैचों में जीत में उनकी भूमिका रही है। इसी कारण टीम कके ड्रेसिंग रूम में उन्हें विशेष अवार्ड दिया गया। मुंबई इंडियंस फ्रेंचाइजी अपने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने के लिए ड्रेसिंग रूम में एक समारोह भी आयोजित करती है। इस समारोह में ही रोहित को सम्मानित किया गया। रोहित मुंबई इंडियंस के इस वीडियो में

कहते नजर आ रहे हैं, "हम जो करते आ रहे हैं आगे भी वही करेंगे। मैच से पहले मैंने हर्डल में बात की थी कि हमें निरंतर रूप से चीजें करनी होगी। इसी का फल मिला है। हमें आगे भी ऐसा ही करना होगा।" रोहित ने इससे पहले वानखेड़े के अपने घरेलू मैदान पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ अर्धशतक लगाया था। सन 2016 के बाद यह पहला अवसर है जब रोहित ने लगातार 2 अर्धशतक लगाये हैं। इस पारी से वह टी20 क्रिकेट में 12000 रन बनाने वाले खिलाड़ियों के क्लब में भी शामिल हो गये हैं। वह ऐसा करने वाले दूसरे भारतीय हैं।

जायंट्स के पास अभी भी है प्लेऑफ में पहुंचने का अवसर

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल में टीमों ने आधे से अधिक लीग मैच खेल लिए हैं और अब प्लेऑफ के लिए सभी टीम अपना जोर लगा रही हैं। गुजरात टाइटंस पहले और दिल्ली कैपिटल्स दूसरे जबकि रॉयल चैलेंजस बेंगलुरु तीसरे स्थान पर है। वहीं पंजाब किंग्स चौथे नंबर पर है। इन चारों के अलावा पांचवे नंबर पर चल रही लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम भी प्लेऑफ की दावेदार बनी हुई है हालांकि दिल्ली कैपिल्स से मिली हार के बाद उसे झटका लगा है। जायंट्स ने अब तक ने अब तक 9 मैच खेलने के बाद 5 जीत से कुल 10 अंक हासिल किए हैं। टीम के पास अभी 5 मुकाबले बचे हैं जिसमें उसको कम से कम चार जीत की जरूरत होगी। अगर 18 अंक तक लखनऊ की टीम पहुंच जाए तो उसकी जगह शीर्ष 4 में लगभग पक्की हो जाएगी। अगले चार मैच में जीत के बाद नेट रन रेट के सहारे टीम अगले दौर में जगह बना सकती है। दिल्ली कैपिटल्स से मिली हार के बाद अब लखनऊ की टीम का अगला मुकाबला 27 अप्रैल को मुंबई इंडियंस से होगा। इसके बाद पंजाब

किंग्स के साथ वह खेलेगी। इन दोनों मुकाबलों के बाद लखनऊ के प्लेऑफ में पहुंचने की स्थिति स्पष्ट होगी। इसके बाद रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु, गुजरात टाइटंस और आखिरी लीग मैच में सनराइजर्स हैदराबाद से टीम को खेलना है। इस समय अंक तालिका में गुजरात टाइटंस की टीम 8 में से 6 मैच जीतकर शीर्ष पर है। वहीं दिल्ली कैपिटल्स की टीम नेट रन रेट के आधार पर दूसरे नंबर पर है। वहीं 8 मैच में 5 जीत से 10 अंक लेकर आरसीबी की टीम तीसरे नंबर पर है। इतने ही मुकाबले और जीत के साथ पंजाब किंग्स चौथे नंबर पर है।

गंभीर को आतंकी संगठिन ने जान से मारने की धमकी दी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर को आईएसआईएस कश्मीर नाम के एक आतंकी संगठन ने जान से मारने की धमकी दी है। गंभीर को ईमेल के जरिए ये धमकी दी गयी है। इस मामले की पुलिस ने जांच शुरु कर दी है। इसके साथ ही उनकी परिवार की सुरक्षा बढ़ा दी गयी है। धमकी मिलने के बाद गंभीर ने दिल्ली पुलिस को सूचना दी थी और कहा था कि उनके परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। गंभीर भारतीय जनता पार्टी के पूर्व सांसद भी हैं। इससे पहले भी साल 2021 में भी उन्हें इसी तरह की एक धमकी मिली थी। गौरतलब है कि पहलगाम हमले की गंभीर ने कड़ी आलोचना करते हुए कहा था कि इस मामले में कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा, पीड़ित परिवारों के लिए प्रार्थना करता हूं। इस हमले के जिम्मेदार लोगों को इसकी कीमत चुकानी होगी। भारत इसके खिलाफ हमला करेगा। गौरतलब है कि बुधवार को ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट की सुरक्षा संबंधी समिति की बैठक हुई थी। इसमें भारत सरकार ने पाक के खिलाफ कड़े कूटनीतिक कदम उठाये हैं। आईएसआईएस कश्मीर, जिसे इस्लामिक स्टेट जम्मू एंड कश्मीर (आईएसजेके) भी कहते हैं, एक आतंकवादी संगठन है। इसे आतंकवादी संगठन घोषित किया गया है। यह आईएसआईएस का ही एक हिस्सा है और जम्मू और कश्मीर में काम करता है।

व्यापार

शेयर बाजार में 7 कारोबारी दिन से जारी तेजी पर लगा ब्रेक, गिरावट के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले 7 कारोबारी दिन से जारी तेजी के सिलसिले पर आज ब्रेक लग गया। आज के कारोबार की शुरुआत भी गिरावट के साथ हुई थी। बाजार खुलने के कुछ देर बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक कुछ देर के लिए हरे निशान में भी पहुंचे, लेकिन थोड़ी देर में ही एक बार फिर बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से दोनों सूचकांकों ने दोबारा लाल निशान में गोता लगा दिया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.39 प्रतिशत और निफ्टी 0.34 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान रियल्टी, एफएमसीजी और आईटी सेक्टर के शेयरों में लगातार दबाव बना रहा। इसी तरह बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, फार्मास्यूटिकल और मेटल सेक्टर के शेयरों में आज खरीदारी होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी आज आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का

मिडकैप इंडेक्स 0.16 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 80 हजार करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 429.63 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 430.47 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 84 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,086 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,922 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,013 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 151 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,541 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,210 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,331 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 13 शेयर बढ़त के साथ और 17 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 20 शेयर हरे निशान में और 30 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 58.06 अंक फिसल कर 80,058.43 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के कुछ देर बाद यह सूचकांक खरीदारी के सपोर्ट से उछल कर हरे निशान में 80,173.92 अंक के स्तर तक पहुंचा। बाजार की ये तेजी अधिक देर तक नहीं टिक सकी। थोड़ी ही देर बाद मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से यह सूचकांक लगातार गिरता चला गया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण शाम 3 बजे तक यह सूचकांक 391.94 अंक टूट कर 79,724.55 अंक के स्तर तक गिर गया। हालांकि आखिरी वक्त में हुई मामूली खरीदारी के कारण सेंसेक्स निचले स्तर से करीब 75 अंक की रिकवरी करके 315.06 अंक की कमजोरी के साथ 79,801.43 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 51.05 अंक की गिरावट के साथ 24,277.90 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के कुछ देर बाद खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक 18.90 अंक की तेजी के साथ 24,347.85 अंक के स्तर तक पहुंचने में सफल रहा, लेकिन इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण आज का कारोबार खत्म होने के आधा घंटा पहले यह सूचकांक 112.80 अंक टूट कर 24,216.15 अंक के स्तर तक गिर गया। कारोबार के अंत में इंट्रा-डे सेटलमेंट की वजह से हुई खरीदारी के कारण निफ्टी निचले स्तर से करीब 30 अंक की रिकवरी करके 82.25 अंक की कमजोरी के साथ 24,246.70 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

अब शरबत बनाना भी हुआ महंगा, नींबू 7 रुपए में बिक रहा

- पानी की कमी ने किसानों के स्थानीय कृषि को पूरी तरह से प्रभावित किया

बीड। नींबू के उच्च दाम ने बीड शहर को अपने भार से दबा दिया है। इस समय बाजार में नींबू के दाम आसमान छू रहे हैं. कुछ महीने पहले 2 रुपये में मिलने वाला एक नींबू अब बीड शहर के कुछ हिस्सों में सीधे 7 रुपये तक बिक रहा हि। क हुई इस मूल्यवृद्धि से आम ग्राहक परेशान हैं। गर्मियों में जहां लोग नींबू के शरबत से राहत पाने की उम्मीद करते हैं, वहीं कुएं और बोरवेलों में पानी की कमी ने किसानों के पेड़ों को सूखने की संभावना बढ़ा दी है। इसके नतीजे में नींबू की आपूर्ति में कमी ने दामों को चौका दिया है। बीड जिले के कई किसानों ने इस साल उत्पादन में कमी की शिकायत की है, जिससे नींबू के मूल्य में अचानक वृद्धि हुई है। नक्कारापन या आलस्य नहीं, बल्कि पानी की कमी ने किसानों के स्थानीय कृषि को पूरी तरह से प्रभावित किया है। अब नींबू उपभोक्ता के लिए एक महंगा खेती का विकल्प बन चुका है, जिससे उन्हें अपनी गर्मियों की ठंडक के लिए महंगे किमीउंन के सामने खर्च करना पड़ रहा है। नींबू के उच्च दामों के साथ-साथ, छोटे व्यापारियों को भी इस असामान्य वृद्धि से प्रभावित होना पड़ रहा है। उच्च दामों के कारण, व्यापारी भी ग्राहकों को महंगे दामों पर नींबू उपलब्ध कराने में मुश्किलें झेल रहे हैं, जिससे उन्हें अपने व्यवसाय को चलाने में कठिनाई हो रही है। सभी इन तथ्यों को मध्यंतर में देखते हुए, सरकार को इस सामाजिक और आर्थिक संकट का संज्ञान लेकर हर संभावित प्रयास करने की आवश्यकता है। उचित नीतियों और योजनाओं के माध्यम से पानी की संभावित कमी को दूर करने और किसानों को उनके मेहनत का मुयायन करने में सरकार की मदद की जरूरत है।

आरबीआई ने 10 वर्ष से अधिक आयु के बच्चों को बैंक में खाता खोलने दी परमिशन

- इंटरनेट बैंकिंग, एटीएम/ डेबिट कार्ड आदि बैंकिंग सुविधाएं भी मिलेगी

नई दिल्ली। भारती रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों को 10 वर्ष से अधिक आयु के नाबालिगों को स्वतंत्र रूप से बचत/सावधि जमा खाते खोलने और संचालित करने की अनुमति दी। भारतीय रिजर्व बैंक ने नाबालिगों के जमा खाते खोलने और संचालन के संबंध में संशोधित निर्देश जारी किए हैं। आरबीआई ने वाणिज्यिक बैंकों और सहकारी बैंकों को संबोधित एक परिपत्र में कहा कि किसी भी उम्र के नाबालिगों को अपने प्राकृतिक या कानूनी अभिभावक के माध्यम से बचत और सावधि जमा खाते खोलने और संचालित करने की अनुमति दी जा सकती है। 10

वर्ष से अधिक आयु के बच्चों को अपनी मां को अभिभावक बनाकर ऐसे खाते खोलने की भी अनुमति दी जा सकती है। परिपत्र में कहा गया है- जिन नाबालिगों की आयु सीमा 10 वर्ष से कम नहीं है और बैंकों द्वारा उनकी जोखिम प्रबंधन नीति को ध्यान में रखते हुए निर्धारित की गई राशि और शर्तों तक, उन्हें स्वतंत्र रूप से बचत/सावधि जमा खाते खोलने और संचालित करने की अनुमति दी जा सकती है, यदि वे ऐसा करना चाहते हैं, और ऐसी शर्तों को खाताधारक को विधिवत रूप से सूचित किया जाना चाहिए। इसके अलावा, वयस्क होने पर खाताधारक के नए संचालन निर्देश और नमूना हस्ताक्षर प्राप्त किए जाने चाहिए और उन्हें रिकॉर्ड में रखा जाना चाहिए। परिपत्र में कहा गया- बैंक अपनी जोखिम प्रबंधन नीति, उत्पाद उपयुक्तता और ग्राहक उपयुक्तता के आधार पर नाबालिग खाताधारकों को इंटरनेट बैंकिंग, एटीएम/डेबिट कार्ड, चेक बुक सुविधा आदि जैसी अतिरिक्त बैंकिंग सुविधाएं प्रदान करने के लिए स्वतंत्र हैं। बैंकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि नाबालिगों के खाते, चाहे वे स्वतंत्र रूप से या अभिभावक के माध्यम से संचालित हों, से अधिक निकासी की अनुमति नहीं दी जाए और ये हमेशा क्रेडिट बैलेंस में रहें।

सर्राफा बाजार में गिरावट का रुख जारी, सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में लखटकिया होने का गौरव हासिल करने बाद से ही सोने की कीमत में लगातार करेक्शन हो रहा है। आज भी सर्राफा बाजार में सोना और चांदी के भाव में गिरावट का रुख बना हुआ है। सर्राफा बाजार में आज आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 98,240 रुपये से लेकर 98,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 90,050 रुपये से लेकर 90,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह, चांदी के भाव में भी कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,00,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 98,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 90,200 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 98,240 रुपये प्रति 10 ग्राम और

22 कैरेट सोना 90,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 98,240 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,100 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 98,240 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 90,050 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 98,240 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 98,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 90,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 98,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 90,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 98,340 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में गिरावट दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 98,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 90,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

द रॉयल्स का ट्रेलर रिलीज, शाही अंदाज में दिखे ईशान खट्टर

सीरीज का प्रीमियर 9 मई से नेटफ्लिक्स पर होगा

नेटफ्लिक्स ने अपनी नई सीरीज द रॉयल्स का ट्रेलर लॉन्च कर दिया है। इस शो की कहानी मोरपुर शहर की है, जो अपनी भव्यता खो रहा है। यहां एक आकर्षक राजकुमार और एक महत्वाकांक्षी सीईओ मिलकर कुछ नया रचते हैं और आगे उनकी जिंदगी में कई दिलचस्प मोड़ आते हैं। यह सीरीज 9 मई को रिलीज होगी। सीरीज में ईशान खट्टर अविराज सिंह के रूप में नजर आएंगे। शो में वह पोलो खेलने वाले नए जमाने के राजकुमार के रूप में दिखेंगे। वहीं, भूमि पेडनेकर सोफिया एक दमदार सीईओ की भूमिका में नजर आएंगी। ट्रेलर लॉन्च में शामिल न हो पाने वाली दिग्गज अभिनेत्री जीनत अमान ने अपने लंबे करियर को याद करते हुए कहा, मैं आज भी नई भूमिकाओं को उतने ही उत्साह से अपनाती हूं। द रॉयल्स मेरे लिए ताजगी भरा और रचनात्मक अनुभव रहा। युवा कलाकारों की ऊर्जा और नए दृष्टिकोण ने सेट को जीवंत बनाया। मैं प्रीतीश नंदी कम्युनिकेशंस और नेटफ्लिक्स का शुक्रिया अदा करती हूं, जिन्होंने इस खूबसूरत प्रेम कहानी को जीवंत किया और मुझे इसमें शामिल किया। भूमि पेडनेकर ने उत्साह जताते हुए कहा, सोफिया का किरदार निभाना एक प्रेरक और जमीन से जुड़ा अनुभव था। नेटफ्लिक्स और प्रीतीश नंदी कम्युनिकेशंस के साथ द रॉयल्स में काम करना शानदार रहा। मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को इसे देखने में उतना ही मजा आएगा, जितना हमें इसे बनाने में आया। ईशान खट्टर ने कहा, इतने शानदार और अनुभवी कलाकारों के साथ काम करना प्रेरणादायक था। यह मेरा नेटफ्लिक्स इंडिया के साथ पहला और ग्लोबल स्तर पर दूसरा प्रोजेक्ट है। मेरे लिए यह एक रोमांचक सफर रहा। द रॉयल्स एक ताजी, आधुनिक रोमांटिक-कॉमेडी सीरीज है। मोरपुर की दुनिया में दर्शकों को प्यार, ड्रामा और हंसी मिलेगी। अविराज मेरा अब तक का सबसे मजेदार किरदार है और मुझे उम्मीद है कि दर्शक इसे उतना ही पसंद करेंगे। प्रियंका घोष और नूपुर अस्थाना के निर्देशन में बनी द रॉयल्स की कहानी नेहा वीना शर्मा ने लिखी है। इस सीरीज में जीनत अमान, साक्षी तंवर, नोरा फतेही, डिनो मोरिया, मिलिंद सोमन, चंकी पांडे, विहान समत, काव्या त्रेहान, सुमुखी सुरेश, उदित अरोड़ा, लिसा मिश्रा और ल्यूक केनी जैसे शानदार कलाकार हैं।

नो एंट्री के सीक्वल में बिपाशा बसु की जगह लेंगी तमन्ना भाटिया

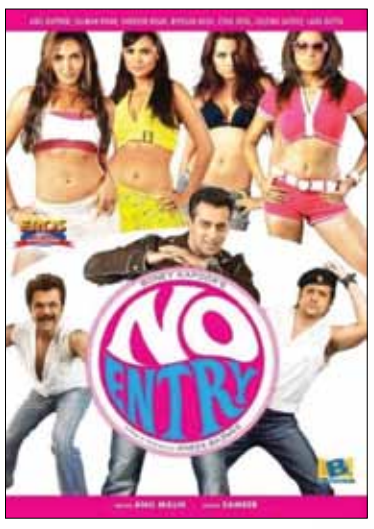

पिछले काफी समय से नो एंट्री का सीक्वल चर्चा में है। पिछले साल दिसंबर में इसके सीक्वल का ऐलान हुआ था। निर्माता बोनी कपूर ने घोषणा की थी कि फिल्म के सीक्वल में पुराने सितारे नजर नहीं आएंगे। फिर खबर आई कि इसमें वरुण धवन, अर्जुन कपूर और दिलजीत दोसांझ की एंट्री हो गई है। काफी समय से बिपाशा बासु वाली भूमिका के लिए हीरोइन की तलाश चल रही थी, जो अब तमन्ना भाटिया पर आकर खत्म हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, तमन्ना फिल्म में बिपाशा बसु वाला किरदार निभाएंगी। अजय देवगन की रेड 2 में अपने शानदार आइटम नंबर के लिए सुर्खियां बटोर रहीं तमन्ना की भूमिका फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाने में बेहद अहम भूमिका निभाएगी। तमन्ना ने आधिकारिक रूप से इस फिल्म को साइन कर लिया है। वह इस मजेदार कॉमेडी फ्रैंचाइजी से जुड़कर बेहद उत्साहित हैं। नो एंट्री के सीक्वल में फिल्मी दुनिया से जुड़ीं 10 नामचीन अभिनेत्रियां नजर आने वाली हैं। तमन्ना के अलावा निर्माता एक और प्रमुख महिला भूमिका के लिए हीरामंडी में अहम भूमिका निभा चुकीं अभिनेत्री अदिति राव हैदरी के साथ बातचीत कर रहे हैं। हालांकि, अभी यह नहीं पता कि उन्होंने इसके लिए हां की या नहीं। इस फिल्म के लिए श्रद्धा कपूर और पृथ्वीराज में नजर आईं मानुषी छिल्लर से भी संपर्क किया गया है। अभिनेत्रियों ने फिल्म में दिलचस्पी जरूर दिखाई है, लेकिन तमन्ना के अलावा अभी किसी ने भी फिल्म साइन नहीं की है। बोनी कपूर ने नो एंट्री का निर्माण किया था, जबकि इसके निर्देशक अनीस बज्मी थे। 2005 में आई इस फिल्म में सभी कलाकारों ने अपनी कॉमिक टाइमिंग से दर्शकों का दिल जीत लिया था। फिल्म में सलमान ने लव गुरु का किरदार निभाया था। नो एंट्री 2002 में रिलीज हुई तमिल फिल्म चार्ली चैपलिन का रीमेक थी। 2016 में बंगाली भाषा में इस फिल्म का रीमेक बनाया गया था। इसमें सलमान खान वाले किरदार में अभिनेता देव अधिकारी दिखे थे। नो एंट्री की रिलीज को जब 10 साल पूरे हुए थे, तब निर्माताओं ने इसका सीक्वल घोषित किया था और बताया था कि सलमान खान और अनिल कपूर का किरदार वही रहेगा, बाकियों को बदल दिया जाएगा। नो एंट्री में बॉबी का किरदार बिपाशा बसु ने निभाया था और खूब वाहवाही लूटी थी। नो एंट्री को 22 करोड़ रुपये के बजट में बनाया गया था और इसने दुनियाभर में लगभग 73 करोड़ रुपये की कमाई की थी।

वीरा धीरा सूरन पार्ट 2 की ओटीटी रिलीज डेट तय, प्राइम वीडियो पर 24 अप्रैल से स्ट्रीम होगी विक्रम की फिल्म

साउथ अभिनेता विक्रम की फिल्म वीरा धीरा सूरन पार्ट 2 अब सिनेमाघरों में रिलीज के बाद ओटीटी रिलीज की तैयारी में है। इस जानकारी से विक्रम के फैंस बेहद उत्साहित हैं कि कब वह अपनी पूरी फैमिली के साथ ओटीटी पर अपने पसंदीदा अभिनेता की फिल्म देख सकेंगे। फिल्म को एसयू अरुण कुमार ने लिखा और निर्देशित किया है। यह एक ग्रामीण एक्शन ड्रामा है, जिसमें विक्रम के साथ दुशारा विजयन, सूरज वेंजरामूडू, एसजे सूर्या अहम भूमिका में नजर आए हैं। फिल्म का संगीत जीवी प्रकाश कुमार ने दिया है और छायांकन थेनी ईश्वर ने किया है। इसे एचआर पिक्चर्स ने बनाया है। विक्रम, जो अन्नियन, देइवा थिरुमगाल जैसी फिल्मों के लिए मशहूर हैं, । उन्होंने इस फिल्म में भी दमदार अभिनय किया है। उनकी कुछ पुरानी फिल्में जैसे ढिल्ल, पिथमगन, अन्नियन और 9 नेलालू आप सनएनएक्सटी पर देख सकते हैं। विक्रम अब अपनी अगली फिल्म चियां 63 पर काम करेंगे, जिसे मैडोन अश्विन निर्देशित कर रहे हैं। इस फिल्म के बारे में अभी और जानकारी आनी बाकी है।

‘8 रुपये में कॉलेज जाती थीं, खाली पेट रहती थीं’

नुसरत भरूचा बोलीं- बचपन से फाइनेंशियल स्ट्रगल देखा, पैसे बचाने की आदतें बरकरार हैं

‘प्यार का पंचनामा’, ‘प्यार का पंचनामा 2’, ‘सोनू के तितू की स्वीटी’, ‘ड्रीम गर्ल’, ‘छोरी’, ‘जनहित में जारी’, ‘राम सेतु’ जैसी फिल्मों से अपनी पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस नुसरत भरूचा भले ही आज एक सक्सेसफुल एक्ट्रेस हैं, लेकिन उनके करियर की शुरुआत आसान नहीं थी। हाल ही में बॉलीवुड बबल को दिए इंटरव्यू में नुसरत ने अपने पुराने दिनों की बातें शेयर कीं। उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने कॉलेज के दिनों में सिर्फ 8 रुपये में पूरा दिन निकाला और कई बार भूख लगने पर भी सिर्फ पानी पीकर काम चलाया।

पैसे बचाने की आदत कॉलेज से है- नुसरत ने कहा, ‘ओ गॉड, मैं फाइनेंस मैनेज करने में बहुत अच्छी नहीं हूं, लेकिन बहुत खराब भी नहीं हूं। मैंने बहुत जल्दी डिसाइड कर लिया था कि महीने का कितना खर्चा चाहिए। मेरी बेसिक जरुरतें क्या हैं? मैंने एक फिगर फिक्स किया, और जो भी उस फिगर से ऊपर आता था, वो मैंने इन्वेस्टमेंट और सेविंग में डाल दिया। मेरे अकाउंटेंट्स को इंस्ट्रक्शन है कि वो पैसा डायरेक्ट मेरी वेल्थ एडवाइजर्स को भेज दें।’

मुझे डर लगता है, क्योंकि फैमिली की जिम्मेदारी मेरी है- उन्होंने आगे बताया, ‘मैं कोई सुपरह्यूमन नहीं हूं। मुझे डर लगता है। मेरे पापा अब 70 के करीब हैं, मम्मी 62 की हैं और मेरी दादी 92 साल की हैं। तीनों मेरे साथ रहते हैं। खुदा न खास्ता कुछ भी हो जाए, तो मेरे पास बैकअप में पैसे होने चाहिए। मैंने अपनी दुनिया छोटी कर ली है, ताकि जरुरत पड़ने पर अपनों का साथ दे सकूं।’

5 साल तक कॉलेज में सिर्फ 8 रुपये में दिन निकालती थी- अपने कॉलेज के दिनों को याद करते हुए नुसरत ने कहा, ‘मैं जुहू से जय हिंद कॉलेज जाती थी। पापा की फाइनेंशियल कंडीशन उस वक्त अच्छी नहीं थी, उन्हें बिज़नेस में चीट किया गया था। मैंने जय हिंद में एडमिशन ले लिया था, लेकिन मुझे पता था कि पापा के पैसे नहीं खर्च कर सकती। मैंने अपने पूरे कॉलेज के 90% दिन सिर्फ 8 रुपये में गुजारे हैं।’

सिर्फ बस का किराया लगता था, बाकी दिन भर पानी पीती थी- ‘मैं घर से निकलती थी, 231 नंबर की बस पकड़ती थी जुहू से सांताक्रूज स्टेशन तक; इसका 4 रुपये लगता था। पापा ने रेलवे पास बनवा दिया था, उसका खर्चा नहीं देना पड़ता था। चर्चगेट उतरती, कॉलेज पैदल जाती, पूरा दिन वहीं रहती। शाम को वही रूट वापस। जाने के 4 रुपये और आने के 4 रुपये; टोटल 8 रुपये। कॉलेज में पानी फ्री था, प्यास लगी तो बस पानी पी लिया।’

रेस्टोरेंट में बैठी रही, ऑर्डर नहीं किया- नुसरत ने एक किस्सा शेयर किया, ‘एक बार दोस्तों ने बांद्रा के एक नए रेस्टोरेंट में गेट-टुगेदर रखा था। मैं घर पर थी, सोचा जाऊं या नहीं? जुहू से बांद्रा जाने का रिक्शा ही 60–70 रुपये का पड़ेगा, उतना ही वापस का। लेकिन अकेले बैठना भी बोरिंग लगता था। मैं वहां गई, लेकिन पैसे बचाने की सोच थी। मैंने सिर्फ एक फ्रेश लाइम सोडा ऑर्डर किया।’

पेट भूखा था, लेकिन चेहरे पर स्माइल थी- ‘वहां सब खाना खा रहे थे, एन्जॉय कर रहे थे। मैं वहीं बैठी रही, कुछ ऑर्डर नहीं किया। सिर्फ पानी पीती रही। और मुझे याद है, मेरे चेहरे पर मुस्कान थी क्योंकि मुझे अच्छा लग रहा था कि किसी को नहीं पता कि मुझे भूख लगी है। मैंने सोचा था कि एक दिन ऐसा आएगा जब मैं ये सब बिना सोचे कर पाऊंगी।’

आज भी पैसे उड़ाने की आदत नहीं है- नुसरत ने बातचीत खत्म करते हुए कहा, ‘इसलिए आज भी अगर मैं पैसे खर्च करती हूं तो दिल खोल कर करती हूं, लेकिन रोज नहीं। क्योंकि मेरी कंडीशनिंग ही ऐसी है। मैंने 8 रुपये से शुरुआत की थी, पानी पीकर दिन निकाला है। इसलिए अब भी जब पैसे आते हैं, तो दिल में वो बात रहती है कि सेव करना है।’

कार्तिक आर्यन की नागजिला की रिलीज तारीख से उठा पर्दा, रूह बाबा के बाद अब इच्छाधारी नाग बने अभिनेता

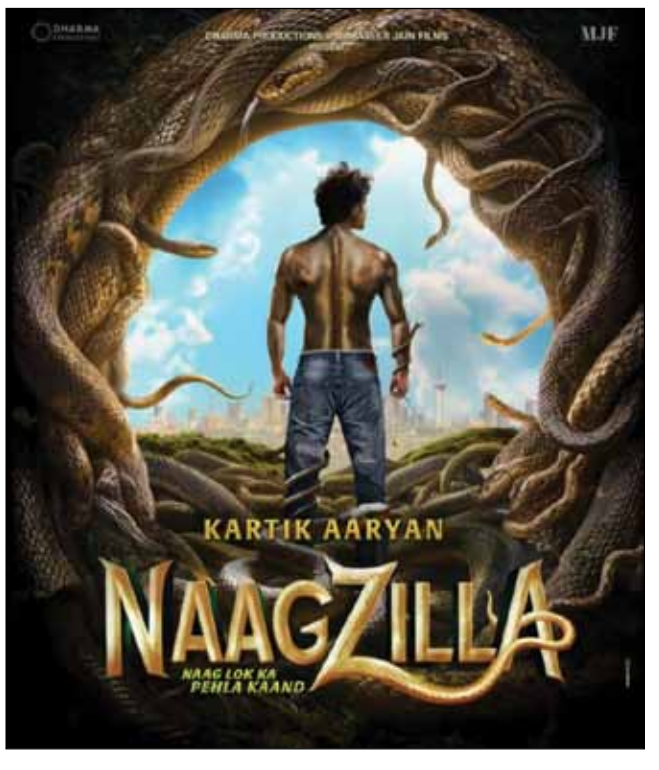

भूल भुलैया 3 में रूह बाबा बनकर कार्तिक आर्यन ने दर्शकों का दिल जीतने के साथ ही बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था. अब कार्तिक दर्शकों के लिए बड़ा सरप्राइज लेकर आए हैं. रूह बाबा के बाद अब कार्तिक आर्यन इच्छाधारी नाग बनने के लिए तैयार हैं. उन्होंने करण जौहर के साथ अपनी अपकमिंग फिल्म नागजिला का एलान कर दिया है. कार्तिक आर्यन अपकमिंग फिल्म में इच्छाधारी नाग का किरदार निभाने जा रहे हैं. एक्टर ने अपने सोशल मिडिया पर एक मोशन वीडियो शेयर किया जिसमें वे कह रहे हैं, इच्छाधारी नाग, रूप बदलने की शक्ति रखने वाले सांप, जैसे की मैं, प्रियम्वदेश्वर प्यारे चंद, उम्र 631 साल, इसानों वाली पिक्चरें तो बहुत देखीं होंगी, अब देखो नागों वाली पिक्चर, फन फैलाने आ रहा हूं नाग पंचमी पर, आपके नजदीकी सिनेमाघरों में. अनांसमेंट वीडियो के साथ कार्तिक ने कैप्शन लिखा, इंसानों वाली पिक्चरें तो बहुत देख लीं, अब देखो नागों वाली पिक्चर. नागजिला- नाग लोक का पहला कांड.. फन फैलाने आ रहा हूं मैं प्यारे चंद नाग पंचमी पर, आपके नजदीकी सिनेमाघरों में 14 अगस्त 2026 को. कार्तिक आर्यन की इस फिल्म को करण जौहर, महावीर जैन, अदार पूनावाला, अपूर्व मेहता, मृगदीप सिंह लांबा और सुजीत जैन प्रोड्यूस कर रहे हैं. मोशन पोस्टर को देखकर लग रहा है फिल्म फुल एंटरटेनिंग होने वाली है. कार्तिक आर्यन की इस फिल्म को लेकर फैंस काफी एक्साइटेड हो गए हैं. एक यूजर ने कमेंट सेक्शन में लिखा, इस नाग के डसने पे किसी को दुख नहीं होगा. एक ने लिखा, नाग जी अब तो सारी नागिन आप पर फिदा होंगी. एक यूजर ने कमेंट किया, मोस्ट हैंडसम नाग. एक ने लिखा, मौनी रॉय मेल वर्जन. एक ने लिखा, एक ही नाग जिससे मैं डसवाना चाहती हूं. कार्तिक आर्यन फिलहाल मशहूर फिल्ममेकर अनुराग बसु के साथ अपने अगले बड़े प्रोजेक्ट की तैयारी कर रहे हैं और इस बार वे साउथ स्टार श्रीलीला के साथ स्क्रीन शेयर कर रहे हैं जो इस फिल्म से बॉलीवुड डेब्यू कर रही हैं. फिल्म का टाइटल अभी रिवील नहीं किया गया है लेकिन चर्चा है कि यह एक रोमांटिक म्यूजिकल है. कार्तिक को एक दिल टूटे सिंगर के रूप में देखा गया, जबकि श्रीलीला उनकी लवर का रोल प्ले करेंगी.

We will break back of terrorists, raze them to ground: PM Modi

Agency: Sending out a firm message of zero tolerance to terror, Prime Minister Narendra Modi on Thursday said the perpetrators and conspirators behind the April 22 Kashmir terror attack will get a punishment beyond their imagination. Addressing the National Panchayat Day event in election-bound Bihar's Madhubani, the Prime Minister addressed both the country and the world and said India stood firm in its resolve against terror and would break the back of terrorists and raze their remaining infrastructure to the ground. "Friends, today from the soil of Bihar I want to tell the whole world that India will identify, track and punish every terrorist and his backer. We will pursue them to the very end. India's spirit will never be broken by terrorism. Terrorism will not go unpunished," the Prime Minister said to a massive applause as he addressed his first public gathering post the Kashmir terror attack.

He said every effort will be made to ensure that justice is done in the April 22 attack that took 26 innocent lives. The entire nation is firm in its resolve, Modi said, thanking world leaders for their solidarity with India in the time of this tragedy. The Prime Minister earlier paid deep condolences for the loss of lives in Pahalgam and said the entire country, every citizen was anguished by the attack. "The killing of innocents by terrorists in Jammu and Kashmir's Pahalgam on April 22 has pained the entire country. The nation stands in solidarity with the affected families and prays for early recovery of the injured," said Modi, adding that the government is doing

its best to bring succour to the survivors. He said this attack was not just on unarmed tourists.

"The enemies of India have attacked the very faith of this nation. I want to say this clearly-the perpetrators who are conspirators of this attack will be meted out a punishment greater and beyond what they can ever imagine. Punishment is bound to be given. Time has come to raze to the ground the remaining structure of terrorists," the Prime Minister said in a veiled dare to Pakistan, a day after India announced strong retaliatory measures in the wake of the Kashmir attack. Modi said the will of 140 crore Indians will now break the back of the handlers of terrorists. The Prime Minister also said in the Kashmir terror attack, someone lost their son, someone a brother, someone a partner. "Someone spoke Bangla, someone Kannada, someone Marathi, someone was Odia, someone Gujarati and someone was a son of Bihar. Today Kargil to Kanyakumari, our anguish is one, our anger is one," he said, framing the Kashmir attack as an assault on India's national consciousness.

India revokes visas to Pakistanis, asks Indians in Pak to return

Agency: In a sweeping diplomatic retaliation to the recent deadly terror attack in Jammu and Kashmir's Pahalgam, the Indian government on Thursday revoked all visas issued to Pakistani nationals and suspended all categories of visa services for Pakistan. In an official statement, the Ministry of External Affairs (MEA) said the move followed decisions taken by the Cabinet Committee on Security or CCS in the aftermath of the Pahalgam attack. Effective April 27, 2025, all valid visas issued to Pakistani nationals have been cancelled. Even the medical visas - often extended on humanitarian grounds - have been given a limited window. They will remain valid only until April 29, 2025. Moreover, India has completely suspended visa services for Pakistani nationals and no new visas will be processed or issued until further notice. "All existing valid visas issued by India to Pakistani nationals stand revoked with effect from 27 April 2025. Medical visas issued to Pakistani nationals will be valid only till 29 April 2025," the MEA statement read. "All Pakistani nationals currently in India must leave India before the expiry of visas, as now amended," it added. Additionally, the Indian government has also asked its citizens to avoid travelling to Pakistan and those already in the neighbouring country have been advised to return to India at the earliest possible. Terrorists attacked tourists at Baisaran meadow in Pahalgam on Tuesday, killing as many as 26 people, mostly tourists, while leaving several injured, in one of the deadliest attacks in the Valley since the 2019 Pulwama strike in which 40 personnel of the Indian Army were killed. As part of its diplomatic outreach, India summoned ambassadors from multiple countries, including Germany, Japan, Poland, the United Kingdom, Russia and China to brief them on the Pahalgam attack. The Ministry of External Affairs conveyed details of the strike, responsibility for which was claimed by The Resistance Front (TRF), an affiliate of Pakistan-based and banned terror outfit Lashkar-e-Taiba.

PM Modi ensures world gets his message on terror

Agency: Prime Minister Narendra Modi, who has used Hindi even in international fora, made a rare switch to English on Thursday to ensure that the world doesn't miss a word of his strong message against terrorism. Addressing a rally in Bihar's Madhubani district, PM Modi said, "India will identify, track and punish every terrorist and their backers". This was PM Modi's first public reaction to the massacre of 26 Indian citizens in Pahalgam on April 22. Modi was delivering a speech in Hindi, but switched to English, and stressed upon every word as he made India's resolve clear to punish those behind the massacre of 26 people in south Kashmir's Pahalgam. "Today from the soil of Bihar I say to the whole world. India will identify, track and punish every terrorist and their backers. We will pursue them to the ends of the Earth," said PM Modi, as he switched to English. "India's spirit will never be broken by terrorism. Terrorism will not go unpunished. Every effort will be made to ensure that justice is done. The entire nation is firm in this resolve," added Modi in Madhubani, where people predominantly use Maithili and Hindi. "Everyone who believes in humanity is with us. I thank people and leaders of countries who have stood with us," PM Modi said as he acknowledged the reaction of world leaders after the attack on Tuesday. While Modi's strong message from the Hindi heartland was rare, he made sure the world took note by addressing it to the global audience. This, however, is not the first time PM Modi has used English to convey his message. He is used to mixing English and Hindi while making speeches in India, particularly when addressing international audiences or conveying messages to a global audience. During his visit to Australia in June 2023, PM Modi addressed the Federal Parliament in Canberra, delivering a speech in English to outline his vision for a stronger India-Australia partnership. He stressed shared democratic values, economic cooperation, and regional security during his speech. More recently, in September 2024, PM Modi delivered his speech in English at the United Nations 'Summit of the Future' in New York. In the speech, the Indian PM focussed on global challenges like climate change, digital governance, and sustainable development. Just as PM Modi has delivered multiple speeches in English, he also takes pride in delivering speeches in Hindi in foreign lands and on multilateral platforms. In 2014, Modi spoke in Hindi as he addressed the UN General Assembly session in New York, following the steps of BJP stalwart Atal Bihari Vajpayee. In 1977, as India's foreign minister, Vajpayee made history by becoming the first to address the United Nations General Assembly in Hindi. Later in 1988, then-foreign minister PV Narasimha Rao, a polyglot fluent in 17 languages, also addressed the UN General Assembly in Hindi. Not just Hindi, PM Modi also makes the effort to speak in India's regional languages to connect with people across the country. From Malayalam and Odia to Bengali and Tamil, he often weaves local phrases into his speeches during election campaigns. By switching to English at a crucial juncture on Thursday, PM Modi ensured that India's message on terror echoed far beyond its borders. Modi, a man of message has carefully picked languages to convey his messages. The world would have noted his stern message for sure.

Punjab Govt set to recruit 1,000 doctors in biggest hiring drive in decades

Agency: In a major boost to the state's healthcare infrastructure, the Punjab Government has announced a massive recruitment drive to fill 1,000 vacancies for medical officers (MBBS doctors). This recruitment drive is said to be the largest in decades, which would address long-pending shortages in government hospitals and health centres across the state. The interested candidates can apply through the website of Baba Farid University of Health Sciences (BFUHS), Faridkot, from April 25 to May 15. The details regarding eligibility, selection criteria and application procedures are expected to be available on the BFUHS website. Meanwhile, the Punjab Civil Medical Services Association (PCMSA) has welcomed the state government's decision.

CRPF launches biggest operation of 2025; three Naxals killed

Agency: The operation launched from the Bijapur district of Chhattisgarh to Karregutta hills in Mulugu district across the border in Telangana has clocked over 60 hours after it was launched on Monday with close to 5,000 troops apart from backup units. The forces and Maoists were exchanging fire till the fore noon of Thursday and it is expected to continue, they said. The assault is led by the 210th battalion of CRPF's CoBRA units and has teams from the Chhattisgarh police, its special task force , DRG, some regular CRPF units and Telangana Police, they said. Around 9:30 am on Thursday, three bodies of female Maoists along with an equal number of weapons has been seized. The operation is continuing, a senior CRPF officer told PTI. CRPF Director General G P Singh is monitoring the operation from Raipur and Jagdalpur

since April 21, he said. About four helicopters, two drone squadrons comprising 20 big and small unmanned aerial vehicles in each along with satellite imagery and maps provided by the NTRO have been deployed to track Hidma, the top commander of the PLGA battalion no 1, the officer said. Inputs suggested that Hidma was seen around a bunker built in the Karregutta Hills along with an armed squad and the operation was launched on this information, a second officer said. This is the biggest operation launched by any of the security agencies in or around Chhattisgarh this year, he said. The hill area is dotted with many improvised explosive devices and the forces are still on the job, the officer said. The offensive is part of the Union government's declaration to end Left Wing Extremism from the country by March, 2026. Chhattisgarh and its border areas remain the "last bastion" of this task, according to officials.

High time India cuts Pakistan's 'jugular veins': Ex-US official on Pahalgam attack

Agency: Former Pentagon official Michael Rubin on Thursday called Pakistan Army Chief Asim Munir's remarks about Kashmir being their "jugular vein" a direct provocation to India in the days leading up to the Pahalgam attack that claimed 26 lives. The ex-US official went a step ahead and said that India needs to go ahead and cut "Pakistan's jugular", reported news agency ANI. "Certainly that speech seemed to green light terror. Asim Munir said that Kashmir is the jugular vein. What India now needs to do is to cut Pakistan's jugular. There's no ifs, ands, or buts. There are no shortcuts anymore. Asim Munir gave the green light," Rubin was quoted as telling ANI. Saying that Pakistan is "playing the West for fools," Rubin said that Islamabad has now opened a new front against India in Bangladesh. "But we also know, based on geography, based on precedent, and based on ideological swamp, that it is Pakistan's ISI, that they are logistically and ideologically the only country that is the suspect right now," Rubin continued. Questioning the timing of the attack, Rubin said that Pakistan's intention was to draw the world's attention away from US Vice President JD Vance's visit to India. He further urged the US to not "let Pakistan get away with it." Rubin further compared the attacks on Pahalgam to the October 7 Hamas attacks on Israel. Addressing the Convention for Overseas Pakistanis last week, General Munir said, "Our stance is absolutely clear, it was our jugular vein, it will be our jugular vein. We will not forget it. We will not leave our Kashmiri brothers in their heroic struggle." zIn response, the Ministry of External Affairs stated: "How can anything foreign be in a jugular vein? This is a union territory of India. Its only relationship with Pakistan is the vacation of illegally occupied territories by that country."

BSF jawan detained by Pak Rangers after he accidentally crosses border

Agency: A Border Security Force (BSF) constable has been detained by Pakistan Rangers after inadvertently crossing the international border in Punjab, officials told news agency PTI on Thursday. The incident occurred near Ferozepur on Wednesday, when Constable PK Singh of the 182nd battalion, dressed in uniform and armed with his service rifle, strayed across the boundary while accompanying local farmers and seeking shade. Efforts are currently under way through dialogue between the two border forces to ensure his safe return. This comes at a time when the border situation remains tense due to a terrorist attack at Pahalgam in Jammu and Kashmir that killed 26 people, mostly tourists.

Pak pauses shuts airspace for India after Delhi diplomatic strike

Agency: A day after India launched a major diplomatic offensive against Pakistan following the deadly Pahalgam terror attack in Jammu and Kashmir, Islamabad has announced a series of retaliatory measures, including shutting down the Wagah border, suspending all SAARC visas for Indian nationals, and closing its airspace for Indian airlines. Invoking the Simla Agreement, Islamabad said it would hold all bilateral pacts with India in abeyance unless New Delhi desists from non-adherence to "international law and UN resolutions on Kashmir".

The move came less than 24 hours after India announced a five-pronged diplomatic response following the Pahalgam carnage — one of the deadliest civilian attacks in the Valley in recent years - which included suspending the Indus Waters Treaty and scaling down diplomatic presence on both sides. On Thursday, in a statement issued after a meeting of the National Security Committee chaired by Pakistan Prime Minister Shehbaz Sharif, Islamabad termed India's steps as "unilateral, unjust, politically motivated and devoid of legal merit". The Wagah border will be closed with immediate effect. All transit from India through this route is suspended. Indian nationals who entered Pakistan through Wagah with valid endorsements must return by April 30.

All bilateral agreements, including the Simla Agreement, are put on hold.

All visas under the SAARC Visa Exemption Scheme (SVES) issued to Indian nationals have been cancelled with immediate effect, barring Sikh religious pilgrims. Indians currently in Pakistan under the scheme have been asked to leave within 48 hours.

Pakistan's airspace is now closed for all Indian-owned or Indian-operated airlines.

All trade with India, including via third countries, has been suspended.

The Indian Defence, Naval and Air Advisors in Islamabad have been declared persona non grata and must leave the country by April 30. Their positions in the High Commission stand annulled.

The strength of India's High Commission in Islamabad will be reduced to 30 staff members by the end of the month.

Pakistan "vehemently rejected" India's decision to hold the Indus Waters Treaty in abeyance, calling it a "binding international agreement brokered by the World Bank."

India, which has in the past repeatedly pulled up Pakistan for being a safe haven for terrorists, has blamed Islamabad for the Pahalgam attack. Pakistan, for its part, called the allegations "frivolous, devoid of rationality.